RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 114 ता. 23 अक्टूबर 2024, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

घाटी में टीएलएम सक्रिय, सीआईके ने किया ऑपरेशन शुरु

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को नए आतंकवादी संगठन तहरीक लब्बैक या मुस्लिम (टीएलएम) का खुलासा हुआ है। काउंटर इंटेलिजेंस विंग (सीआईके) और पुलिस ने श्रीनगर, गांदरबल, बांदीपोरा, कुलगाम, अनंतनाग और पुलवामा में कई लोकेशन पर छापा मारा। पुलिस ने बताया कि टीएलएम बैन आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का ही एक अलग ग्रुप है। सूत्रों ने बताया कि टीएलएम आतंकवादियों की भर्ती करने का एक मॉड्यूल है, जिसे पाकिस्तान का हैंडलर बाबा हमास चला रहा था। सीआईके और पुलिस का ऑपरेशन जारी है। टीएलएम के बारे में और ज्यादा जानकारी सामने आएगी। गांदरबल अटैक में एक डॉक्टर समेत सात मजदूरों की जान चली गई थी।

देशभर के सीआरपीएफ स्कूलों में बम की धमकी.....दहशत फैलाने की मंशा

नई दिल्ली । दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के करीब बम विस्फोट के बाद देशभर के अन्य राज्यों में सीआरपीएफ स्कूलों में बम विस्फोट को लेकर धमकी दी गई है। बताया जा रहा हैं कि देशभर के सीआरपीएफ स्कूलों को ईमेल के द्वारा धमकी दी गई है। इसमें दो स्कूल दिल्ली और एक हैदराबाद में हैं। हालांकि ईमेल के फर्जी होने का भी संदेह है। इसके बावजूद ताजा धमकी ने दिल्ली सहित सभी स्कूलों में दहशत फैला दी है। माना जा रहा है कि यह ईमेल किसी ने दहशत फैलाने के इरादे से किया गया है। खास बात है कि ई-मेल भेजने वालों ने मेल को लिस्टेड स्कूल के कमरों में नाइट्रेट आधारित आईईडी ब्लास्ट करने की बात कही है। ईमेल भेजने वाले ने सुबह 11 बजे से पहले सभी स्कूलों को खाली करने को कह दिया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वे रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल में हुए विस्फोट के लिए खालिस्तानी लिंक की जांच कर रहे हैं।

बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने केंद्रीय मंत्री शाह से मांगी मदद

नई दिल्ली । बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने एक्स पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि उनका भारतीय रेजिडेंस परमिट जुलाई में खत्म हो गया है और गृह-मंत्रालय उस परमिट को रिन्यू नहीं कर रहा है। तसलीमा ने कहा कि भारत उनका दूसरा घर है और 22 जुलाई के बाद से परमिट रिन्यू न होने से वे परेशान हैं । उन्होंने कहा कि अगर सरकार उन्हें भारत में रहने की इजाजत देती हैं, तब वे शुक्रगुजार होंगी। बांग्लादेश इनदिनों गंभीर सत्ता संघर्ष से जूझ रहा है। कुछ महीने पहले पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से स्थिति अस्थिर है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार इस वक्त लोकतांत्रिक संस्थाओं को फिर से बहाल करने की चुनौती का सामना कर रही है। नसरीन 2011 से भारत में रह रही हैं और उनके पास स्वीडन की नागरिकता है। वे पहले भी कई बार अपने रेजिडेंस परमिट के स्टेटस को लेकर भारत सरकार के अधिकारियों से कोई जानकारी न मिलने पर चिंता जता चुकी हैं।

यमुना नदी के ऊपर बादलों की तरह छाया जहरीला झाग, स्वास्थ्य के लिए खतरनाक

-वीडियो वायरल, यूजर्स बोले- समुद्र का पानी साफ हो सकता है तो यमुना का क्यों नहीं?

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी में जहरीले झाग की सफेद चादर सुर्खियां बनी हुई है। इसे अंतरिक्ष से सैटेलाइट इमेजरी में भी कैद किया गया है। तस्वीरों में दक्षिण पूर्वी दिल्ली के ओखला इलाके में करीब तीन किमी दूरी पर स्थित दो बैराजों के पास यमुना नदी में झाग बहता दिखाई दे रहा है। इन दिनों सोशल मीडिया पर इसकी वीडियोज खूब वायरल हो रही है, जिनमें नदी के बड़े हिस्से में झाग दिखाई दे रहा था, जो पानी के ऊपर बादलों जैसा नजर आ रहा था। यूजर्स कह रहे हैं कि जब समंदर का पानी साफ हो सकता है तो यमुना का क्यों नहीं? एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, खासकर त्योहारों के मौसम के आने पर। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि शहर की स्थिति पर सरकार नजर रख रही है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि अधिकारियों ने इस समस्या से निपटने के लिए पहले ही डिफोमर्स का छिड़काव करवा दिया है और सरकार स्थिति को संभालने और हल करने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। मीडिया रिपोर्ट में साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपल के एसोसिएट कोऑर्डिनेटर ने बताया कि आमतौर पर यमुना के ऊपरी हिस्से में बाढ़ की स्थिति बनी रहती है, लेकिन इस साल हाल ही में खत्म हुए दक्षिण-पश्चिम मानसून में ऐसी कोई स्थिति नहीं बन पाई है। पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक, इस झाग में अमोनिया और फॉस्फेट की उच्च मात्रा होती है, जो श्वसन और त्वचा संबंधी समस्याओं सहित गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है। इस तरह का झाग तब बनता है, जब सड़ते हुए पौधों और प्रदूषकों से निकलने वाली चर्बी पानी में मिल जाती है, लेकिन मानसून के दौरान इसकी मौजूदगी चौकाने वाली है। कोऑर्डिनेटर ने कहा कि यह असामान्य है क्योंकि नदी में हर साल इस सेगमेंट में कम से कम दो बार कम या मध्यम बाढ़ आती है। उन्होंने कहा कि नदी में प्रदूषण मानव स्वास्थ्य और वन्यजीवों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर चिंता का विषय है।

चक्रवाती तूफान से मची हलचल

- मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह, राज्य सरकार स्थिति से निपटने के लिए तैयार

कोलकाता।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है और 23 अक्टूबर तक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक यह तूफान 24 अक्टूबर को ओडिशा और पश्चिम बंगाल से सटे तटों पर पहुंच जाएगा जिससे दोनों राज्यों में तीन दिनों तक भारी बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों ने मछुआरों को 23 से 25 अक्टूबर के बीच समुद्र में न जाने की सलाह दी है। बुधवार से ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर हवा की गति 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है और धीरे-धीरे बढ़कर 100-110 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा कि 24 अक्टूबर की रात और 25 अक्टूबर की सुबह पुरी और सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल तटों को पार करने की संभावना है। आईएमडी ने भारी से बहुत भारी बारिश के साथ अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही 24 अक्टूबर को ओडिशा के पुरी, खुर्दा, गंजम और जगतसिंहपुर जिलों में बिजली गिरने के साथ आंधी की संभावना है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बंगाल के पेट्रापोल में 450 करोड़ रुपए के आधुनिक यात्री टर्मिनल का उद्घाटन 23 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह द्वारा किया जाना था, जिसे चक्रवात दाना के मद्देनजर स्थगित कर दिया गया है। वहीं, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार से तीन दिवसीय ओडिशा दौरे को भी स्थगित कर दिया गय है। मुर्मू का अपने प्रवास के दौरान बंगरीपोसी, उपरबेड़ा, रायरंगपुर, पुरी और भुवनेश्वर जाने का कार्यक्रम था।

ओडिशा सरकार ने पर्यटकों से भी 24 अक्टूबर की रात और 25 अक्टूबर की सुबह तक चक्रवात के तट से टकराने से पहले तटीय तीर्थ नगर पुरी छोड़ने का आग्रह किया है। ओडिशा सीएम मोहन चरण माझी ने अधिकारियों को चक्रवात से प्रभावित होने की संभावना वाले क्षेत्रों से 100 फीसदी लोगों को निकालने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को चक्रवात आश्रय स्थलों में भोजन, पीने का पानी और दवाइयां पर्याप्त मात्रा में रखने का भी निर्देश दिया। माझी ने लोगों से आग्रह किया कि वे घबराएं नहीं क्योंकि राज्य सरकार स्थिति का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। आईएमडी ने केंद्रपाड़ा, कटक, नयागढ़, कंधमाल और गजपति जिलों में अलग-अलग स्थानों पर तूफान और बिजली गिरने के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा भद्रक, बालासोर, जाजपुर, अंगुल, ढेंकनाल, बौध, कालाहांडी, रायगढ़ा, कोरापुट, मल्कानगिरी, मयूरभंज और क्योंझर में अलग-अलग स्थानों के लिए भारी बारिश और बिजली गिरने के साथ आंधी का येलो अलर्ट (सावधान रहें) भी जारी किया है।

भारत-चीन विवाद, गलवान से शुरू हुआ तनाव ब्रिक्स में सुलह के रास्ते खोलेगा

-पीएम नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी कजान में 16वें ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। इस समिट में पीएम मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक साथ एक ही मंच साझा करेंगे। भारत और चीन के बीच लंबे समय से चल रहे सैन्य गतिरोध के बीच पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या टकराव और वार्ताओं के दौर के बीच गलवान से शुरू हुआ तनाव ब्रिक्स में सुलह के रास्ते खोलेगा।

ब्रिक्स समिट में एक तरफ जहां पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की द्विपक्षीय वार्ता होगी। वहीं, चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाकात पर सभी की नजरें रहेंगी।

हालांकि, पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता कहना है कि चीन अन्य पक्षों के साथ मिलकर ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के सतत विकास के लिए प्रयास करने को तैयार है, ताकि ग्लोबल साउथ के लिए एकजुटता जुटाने के साथ-साथ नए युग की शुरुआत की जा सके। भारत-चीन के लिए ही ब्रिक्स के खास मायने हैं। ऐसे माना जा रहा है कि गलवान में शुरू हुआ तनाव रूस के कजान में खत्म हो सकता है।

भारत-चीन के रिश्तों में लंबे समय से देखी जा रही तल्खी में सोमवार को उस समय नरमी देखने को मिली, जब दोनों देशों के बीच विवादित पेट्रोलिंग प्वॉइंट्स को लेकर एग्रीमेंट हुआ। इस समझौते के मुताबिक भारतीय सेना यहां फिर से पेट्रोलिंग शुरू कर सकेगी। शी जिनपिंग ब्रिक्स से लेकर कई बड़ी बैठकों में हिस्सा लेंगे। इनमें ब्रिक्स प्लस डायलॉग भी शामिल हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि एशिया की दो महाशक्तियों के प्रमुखों के बीच ब्रिक्स में द्विपक्षीय वार्ता होने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि 2020 में गलवान में हुई झड़प के बाद से भारत और चीन के रिश्तों में कड़वाहाट आई है। इस वजह से इन संबंधों के दुरुस्त होने में समय लगेगा लेकिन यह एग्रीमेंट दोनों देशों के लिए एक नई शुरुआत जैसा होगा।

बता दें पीएम मोदी और जिनपिंग के बीच पिछली बार 2023 में दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स की बैठक में एक दूसरे से मिले थे। इससे पहले 2020 में जी-20 समिट में भी पीएम मोदी और शी जिनपिंग पहुंचे थे लेकिन दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत नहीं हुई थी। बता दें कि पिछले कुछ समय से जियोपॉलिटिक्स में अहम बदलाव आए हैं और चीन के पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते अब उतने सहज नहीं हैं।

गुरमीत राम रहीम की मुश्किलें बढ़ीं.....मान सरकार ने केस चलाने की मूंजरी दी

चंडीगढ़ ।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। पंजाब सरकार ने राम रहीम के खिलाफ 2015 के बेअदबी के तीन मामलों में केस चलाने की मंजूरी दे दी है। बेअदबी की इन घटनाओं के बाद सिख समुदाय ने व्यापक स्तर पर प्रदर्शन किया था, इस दौरान झड़प में पुलिस की फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई थी। 2015 के गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी मामले में मुकदमा चलाने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में बेअदबी के आरोप में चल रहे तीन मामलों की जांच पर रोक लगाई थी। इस आदेश को पंजाब की भगवंत मान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से लगाई गई रोक को हटाकर राम रहीम को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब राम रहीम के खिलाफ निचली अदालत में ट्रायल शुरू होगा। पंजाब सरकार ने डेरा सच्चा समिति के तीन सदस्यों प्रदीप क्लेर, हर्ष धुरी और संदीप बरेटा के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंजाब के फरीदकोट के थाने में दर्ज तीन मामलों में मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई है।

लालू का प्लान तैयार.....

नीतिश की महागठबंधन में वापसी कराओ

पटना ।

बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अपराध, बेरोजगारी, पलायन और आरक्षण जैसे मुद्दों को उठाकर फिर से सक्रियता दिखाई है। लेकिन पार्टी की ये गतिविधियां केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रह गई हैं; इसके पीछे एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को महागठबंधन में वापस लाना है।

राजद नेताओं ने नीतीश को भाजपा की नीतियों से भयभीत कर उन्हें महागठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। सांसद मीसा भारती ने नीतीश के बयान पर प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भाजपा के साथ ही रहने वाले है। मीसा ने सवाल उठाया, नीतीश की गारंटी कौन लेगा? इस तरह के बयानों से यह स्पष्ट होता है कि राजद के भीतर नीतीश की नीतियों पर संदेह कायम है। राजद के विधायक भाई वीरेंद्र ने नीतीश के प्रति सकारात्मकता दिखाकर कहा कि वे देशद्रोहियों के साथ नहीं रहने वाले हैं, और विधानसभा चुनाव 2025 से पहले महागठबंधन में लौट आने वाले है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नीतीश को भाजपा के साथ रहने के कारण रात में नींद नहीं आती और वह अपनी गलती पर विचार करते हैं।

राजद सुप्रीमो और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव भी बिहार के चुनावी गणित को अच्छी तरह समझते हैं। उनका मानना है कि वर्तमान में जीत उसी दिशा में होगी जहां नीतीश कुमार रहने वाले है। नीतीश के पास कुर्मी, कुशवाहा, धानुक मतों के साथ-साथ अतिपिछड़ों का एक महत्वपूर्ण वोट बैंक है। इसकारण लालू का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नीतीश महागठबंधन में शामिल हों। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यह तय किया है कि यदि नीतीश आते हैं, तब उनकी शर्तों पर चर्चा की जाएगी। इससे भाजपा की राजनीति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। आने वाले चुनावों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नीतीश कुमार भाजपा के साथ रहते हैं, या फिर महागठबंधन में लौटते है। राजद की सक्रियता और नीतीश के प्रति उनकी उम्मीदें इस बात का संकेत देती हैं कि बिहार की राजनीति में आगामी दिनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हो सकते हैं।

पुलिस और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की रेड में करोड़ों की नकदी और सोना बरामद

कोडरमा ।

कोडरमा जिला मुख्यालय के निकट स्थित वृंदा गांव में एक होटल कारोबारी सुखदेव रजक के आवास पर पुलिस और आयकर विभाग की संयुक्त छापेमारी में करोड़ों रुपये की नकद राशि और भारी मात्रा में सोना मिला है। इस छापेमारी के दौरान नोटों की गिनती के लिए विशेष मशीन भी आई है। जानकारी के अनुसार, रजक छापेमारी के पहले ही अपने घर से फरार हो गया। रात करीब दो बजे मादक पदार्थों के कारोबार की सूचना पर पुलिस ने सुखदेव के आवास पर छापेमारी की। तलाशी अभियान मंगलवार दोपहर तक जारी रहा, जिसमें पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, सुखदेव के घर से भारी मात्रा में अफीम भी बरामद की गई है। इंकोम टैक्स डिपार्टमेंट की टीम मंगलवार सुबह मौके पर पहुंची और बरामद की गई नकद राशि की गिनती शुरू

की। बताया गया है कि रजक हजारीबाग जिले के बरही में एक होटल का संचालन करता है और उस पर मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी हैं। उसकी कारोबारी गतिविधियों का विस्तार यूपी के जौनपुर तक है। इसके अतिरिक्त, चुनावी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए झारखंड के लातेहार जिले की पुलिस ने रांची से गढ़वा जा रही यात्री बस से 15 लाख रुपये की नकदी बरामद की है। इस राशि को बस में छिपाकर रखा गया था, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह रकम किसकी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है।

बंगाल की 6 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव.....

कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट की राहें जुदा

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल की 6 विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनावों में दो पुराने सहयोगियों कांग्रेस और लेफ्ट फ्रंट की राहें जुदा हो गई हैं। इन सीटों के लिए 13 नवंबर को मतदान होना है, इसके लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। नॉमिनेशन प्रक्रिया के बीच लेफ्ट ने छह में से पांच सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। लेफ्ट की ओर से उम्मीदवारों का ऐलान किए जाने के साथ ही साफ हो गया है कि सूबे में 2016 से ही चला आ रहा यह गठबंधन उपचुनाव में नहीं दिखाई देगा। कांग्रेस और लेफ्ट के गठबंधन की शुरुआत साल 2016 में हुई जब दोनों दलों के बीच मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने पर सहमति दिखाई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में दोनों दलों ने अलग-अलग उम्मीदवार उतारे लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव के लिए लेफ्ट और कांग्रेस ने गठबंधन का ऐलान 2020 में किया था। 2021 का विधानसभा चुनाव कांग्रेस, वाममोर्चा और आईएसएफ ने साथ मिलकर लड़ा था। यह अलग बात है कि तब कांग्रेस और लेफ्ट, दोनों ही खाली हाथ रहे थे जबकि गठबंधन को मिली इकलौती सीट आईएसएफ ने जीती थी।

बंगाल चुनाव 2021 के खराब प्रदर्शन के बावजूद कांग्रेस-लेफ्ट के साथ पर विपरीत असर नहीं पड़ा। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी तमाम अगर-मगर के बीच गठबंधन जारी रहा। तब कांग्रेस को एक सीट मिली थी और लेफ्ट इस बार भी खाली हाथ ही रहा।

इन नतीजों के बाद लेफ्ट पार्टियों के बीच आपस में ही यह बहस तेज हो गई कि कांग्रेस के साथ रहना चाहिए या नहीं। कुछ पार्टियां ऐसी भी थीं जिन्होंने शून्य पर सिमटने के लिए कांग्रेस से गठबंधन को जिम्मेदार मना। अब लोकसभा चुनाव के बाद हो रहे उपचुनाव में दोनों ही पार्टियां अपने दम पर चुनाव मैदान में है। कांग्रेस ने अभी उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया है लेकिन सूत्रों ने बताया कि संभावित उम्मीदवारों के नाम की लिस्ट दिल्ली भेजी गई है। शीर्ष नेतृत्व से हरी झंडी मिलने के बाद एक-दो दिन में उम्मीदवारों का ऐलान हो जाएगा। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में जीत के बाद विधायकों के इस्तीफे की वजह से छह सीटें रिक्त हुई है। ये छह सीटें हैं, सीताई, मदारीहाट, नैहाटी, मेदिनीपुर, तालडांगरा और हरोआ विधानसभा क्षेत्र की। लेफ्ट उम्मीदवारों की सूची में हरोआ को छोड़कर बाकी पांच सीटों से प्रत्याशियों के नाम हैं।

किस सीट से कौन उम्मीदवार

लेफ्ट फ्रंट की ओर से जो सूची जारी की गई है, उसके मुताबिक सीताई सीट से फॉरवर्ड ब्लॉक के अरुण कुमार बर्मा, मदारीहाट से आरएसपी के पदम ओराम, नैहाटी से सीपीआई (एमएल) के देबज्योति मजूमदार, मेदिनीपुर से सीपीआई के मणि कुंतल खमरुई और तालडांगरा से सीपीआई (एम) के देबकांति महंती चुनाव मैदान में उतरे है। फ्रंट की ओर से यह भी कहा गया है कि हरोआ सीट से उम्मीदवार का ऐलान भी जल्द किया जाएगा।

ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से छह की मौत

बुलंदशहर । यूपी के बुलंदशहर जिले के सिकंदराबाद इलाके में ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से छह लोगों की मौत हो गयी। जिला मजिस्ट्रेट चंद्र प्रकाश प्रियदर्शी ने मंगलवार को बताया कि शुरुआत में मृतकों की संख्या पांच थी जो मंगलवार की सुबह बढ़कर छह हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान रियाजुद्दीन उर्फ राजू (50), उनकी पत्नी रुखसाना (45), सलमान (16), तमन्ना (24), हिफ्जा (तीन) और आस मोहम्मद (26) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, सिकंदराबाद की आशापुरी कॉलोनी में यह हादसा हुआ। आशापुरी कॉलोनी में सोमवार रात एक मकान में रखा सिलेंडर अचानक फटने से जोरदार धमाके के साथ मकान ध्वस्त हो गया और छत गिर गयी। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और एंबुलेंस एवं जेसीबी को मौके पर बुलाया गया। बुलंदशहर के जिलाधिकारी (डीएम) चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि यह घटना आशापुरी कॉलोनी में रियाजुद्दीन के घर में हुई, जिसमें 18-19 लोग रहते थे। घर के 10 लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद बुलंदशहर में सिलेंडर फटने से हुए हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

गुरमीत राम रहीम की मुश्किलें बढ़ीं...मान सरकार ने केस चलाने की मूंजरी दी

चंडीगढ़ । डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। पंजाब सरकार ने राम रहीम के खिलाफ 2015 के बेअदबी के तीन मामलों में केस चलाने की मंजूरी दे दी है। बेअदबी की इन घटनाओं के बाद सिख समुदाय ने व्यापक स्तर पर प्रदर्शन किया था, इस दौरान झड़प में पुलिस की फायरिंग में दो लोगों की मौत हो गई थी। 2015 के गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी मामले में मुकदमा चलाने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने मार्च 2024 में बेअदबी के आरोप में चल रहे तीन मामलों की जांच पर रोक लगाई थी। इस आदेश को पंजाब की भगवंत मान सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से लगाई गई रोक को हटाकर राम रहीम को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब राम रहीम के खिलाफ निचली अदालत में ट्रायल शुरू होगा। पंजाब सरकार ने डेरा सच्चा समिति के तीन सदस्यों प्रदीप क्लेर, हर्ष धुरी और संदीप बरेटा के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की मंजूरी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंजाब के फरीदकोट के थाने में दर्ज तीन मामलों में मुकदमा चलाने की मंजूरी दी गई है।

देशभर के सीआरपीएफ स्कूलों में बम की धमकी... दहशत फैलाने की मंशा

नई दिल्ली । दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के करीब बम विस्फोट के बाद देशभर के अन्य राज्यों में सीआरपीएफ स्कूलों में बम विस्फोट को लेकर धमकी दी गई है। बताया जा रहा हैं कि देशभर के सीआरपीएफ स्कूलों को ईमेल के द्वारा धमकी दी गई है। इसमें दो स्कूल दिल्ली और एक हैदराबाद में हैं। हालांकि ईमेल के फर्जी होने का भी संदेह है। इसके बावजूद ताजा धमकी ने दिल्ली सहित सभी स्कूलों में दहशत फैला दी है। माना जा रहा है कि यह ईमेल किसी ने दहशत फैलाने के इरादे से किया गया है। खास बात है कि ई-मेल भेजने वालों ने मेल को लिस्टेड स्कूल के कमरों में नाइट्रेट आधारित आईईडी ब्लास्ट करने की बात कही है। ईमेल भेजने वाले ने सुबह 11 बजे से पहले सभी स्कूलों को खाली करने को कह दिया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वे रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल में हुए विस्फोट के लिए खालिस्तानी लिंक की जांच कर रहे हैं।

मर्सिडीज ने युवक को उड़ाया मौके पर ही मौत, छह माह में हिट एंड रन की चौथी घटना

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में मर्सिडीज कार ने एक युवक को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान दर्शन हेगड़े के रुप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना 20 अक्टूबर देर रात की है। पुलिस ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब दर्शन खाना खरीदने के बाद घर लौट रहा था। नासिक हाईवे की ओर जा रही मर्सिडीज ने उसे टक्कर मार दी जिससे युवक की मौत हो गई और ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। ड्रायवर की पहचान अभिजीत नायर के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। महाराष्ट्र में 6 महीने में हिट एंड रन का ये चौथा मामला है। पुलिस ने बताया कि नउपाड़ा पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। यह दुर्घटना महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के ठाणे स्थित आवास के पास हुई। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। हालांकि, बताया जा रहा है घटना के समय इलाके में लगे कैमरे काम नहीं कर रहे थे।

नांदेड़ में आया 3.8 तीव्रता का भूकंप, नुकसान की जानकारी नहीं

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ में मंगलवार सुबह 3.8 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी जानकारी राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने दी। भूकंप सुबह 6:52 बजे आया था। भूकंप का केंद्र 19.38 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 77.46 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था, जिसकी गहराई 5 किलोमीटर थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने एक्स पर पोस्ट किया। इससे किसी प्रकार के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

देश बदलने का ख्वाब लेकर आए अरविंद केजरीवाल माफी एक्सपर्ट बन गए हैं : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल की याचिका खारिज किए जाने का हवाला देते हुए कहा है कि देश को बदलने का ख्वाब लेकर आए अरविंद केजरीवाल अब माफी एक्सपर्ट बन गए हैं। अन्ना आंदोलन के समय कही गई एक भी बात को आज केजरीवाल फॉलो नहीं कर रहे हैं।

भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कल सुप्रीम कोर्ट ने मानहानि के मामले पर रोक लगाने की अरविंद केजरीवाल की याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने गुजरात हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी।

प्रसाद ने केजरीवाल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अपशब्दों का प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक समय केजरीवाल के मन में पीएम मोदी की शैक्षणिक योग्यता और डिग्री को लेकर जागृति आ गई थी। रोज सवाल पूछते थे कि पीएम कहां से पढ़े हैं, कितना पढ़े हैं, डिग्री दिखाइए। यहां तक कि अपने लोगों से उन्होंने आरटीआई तक लगवाई। गुजरात विश्वविद्यालय के बारे में उस समय अनाश-शनाप बातें भी कही थी। गुजरात विश्वविद्यालय ने अपने रजिस्ट्रार के माध्यम से मानहानि का केस फाइल किया था। जिसके खिलाफ केजरीवाल की याचिका को सेशन कोर्ट और हाईकोर्ट तक ने खारिज कर दिया और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी उनकी याचिका को खारिज कर दिया। भाजपा नेता ने आगे दावा किया कि यह सुनने में आया है कि केजरीवाल ने सुनवाई के दौरान ही माफी मांगने की बात कही। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर माफी ही मांगनी थी तो पहले मांगते। अब इस मामले में या तो कोर्ट को फैसला देना होगा या केजरीवाल को यह याचिका वापस लेनी होगी तो उन्होंने उसे वापस ले लिया। ऐसे में अब केजरीवाल पर गुजरात में आपराधिक मानहानि का मामला चलता रहेगा।

प्रसाद ने कहा कि दुनिया को ईमानदारी और भ्रष्टाचार पर लेक्चर देने वाले केजरीवाल का असली चेहरा तो पहले ही सामने आ चुका है। अरविंद केजरीवाल अलग-अलग मामलों में 10 बार माफी मांग चुके हैं। उन्होंने स्वर्गीय अरुण जेटली, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, विक्रम मजीठिया, कपिल सिब्बल और उनके बेटे एवं अवतार सिंह भड़ाना सहित कई मामलों का जिक्र करते हुए बताया कि केजरीवाल ने कब-कब माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि देश की राजनीति में आलोचना और विरोध का अधिकार है, लेकिन देश की राजनीति में झूठे और मर्यादा विहीन आरोप लगाने का अधिकार नहीं है। अरविंद केजरीवाल का आचरण गैर-जिम्मेदाराना है और अब उम्मीद कर सकते हैं कि वह अपनी जुबान पर लगाम लगाएंगे। इस मामले में राहुल गांधी भी केजरीवाल के सखा हैं।

जनसंख्या नियंत्रण को लेकर आ रहे बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण 60-70 वर्षों से इस देश की प्रतिबद्धता है और सबको इसका ख्याल रखना चाहिए। प्रियंका गांधी के वायनाड से चुनाव जीतने के बाद भाजपा के सामने चुनौती बढ़ने के सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि चुनौती से ना तो हम डरते हैं और ना ही हमारे नेता डरते हैं। अगर प्रियंका गांधी चुनाव जीतकर आती हैं तो उनकी तुलना उनके भाई (राहुल गांधी) से होगी।

भारत और चीन के संबंधों को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयानों को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक चीन के साथ रिश्तों का सवाल है, यह एक संवेदनशील विषय है। इसमें कूटनीतिक स्तर पर वार्ता हुई और वार्ता के बाद जो भी निष्कर्ष निकला, उसकी जानकारी विदेश सचिव और विदेश मंत्री ने दी है और उन्हें इसके अलावा इस मसले पर कुछ नहीं कहना है। लेकिन, जहां तक राहुल गांधी और ओवैसी साहब की टिप्पणियों का सवाल है, कूटनीति और कूटनीतिक संवाद को लेकर उनकी समझदारी कितनी है, इस पर चर्चा करने की आवश्यकता है। रामगोपाल यादव के सीजेआई को लेकर दिए गए विवादित बयान को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि रामगोपाल यादव ने अपने बयान को वापस ले लिया है। लेकिन न्यायपालिका, सभी न्यायाधीश और मुख्य न्यायाधीश इन सभी लोगों का सम्मान हमें करना चाहिए। एक स्वतंत्र न्यायपालिका देश के लोकतंत्र के लिए आवश्यक है और यह संवैधानिक परंपरा भी है।

हिंदू स्वाभिमान यात्रा में भाजपा सांसद का विवादित बयान... अररिया में रहना है, तब हिंदू बनना होगा

अररिया । बिहार में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने अररिया में एक विवादास्पद बयान देकर दिया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा के दौरान आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, अगर अररिया में रहना है, तब हिंदू बनना होगा। इस बयान ने सोशल मीडिया पर तेजी से प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, जिसमें लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं।

कई लोगों का कहना है कि अररिया में रहना है, तब सामाजिक सद्भाव बनाए रखना चाहिए, न कि धार्मिक पहचान पर जोर देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री सिंह की हिंदू स्वाभिमान यात्रा 21 अक्टूबर को अररिया पहुंची थी, जहां ठाकुरबाड़ी परिसर में सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में केंद्रीय मंत्री सिंह, धर्म गुरु दीपांकरजी महाराज और भाजपा व हिंदू संगठनों के अन्य सदस्य शामिल हुए थे। इस दौरान सांसद सिंह ने कहा, खुद को हिंदू बोलने में भला कैसी शर्म? जब बेटा-बेटी की शादी करनी हो तब जात-पात खोज लीजिए, लेकिन जब हिंदुओं की एकजुटता की बात हो तब पहले हिंदू बनिए, बाद में जाति को ढूंढिए। इस बयान के बाद कई लोग सोशल मीडिया पर सांसद की आलोचना कर रहे हैं, यह कहते हुए कि उनका बयान समाज में नफ़रत फैलाने वाला है। दूसरी ओर, भाजपा से जुड़े लोगों ने कहा कि प्रदीप सिंह का इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था, बल्कि वह केवल हिंदुओं की एकजुटता की बात कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस विवादित बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की, केवल यह कहा कि हिंदू स्वाभिमान यात्रा उनका व्यक्तिगत कार्यक्रम है।

लद्दाख को लेकर वांगचुक का अनशन खत्म, गृह मंत्रालय ने बातचीत के लिए बुलाया

जम्मू (एजेंसी)। पर्यावरणविद सोनम वांगचुक का 16 दिनों से चला आ रहा अनशन सोमवार को खत्म कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय से बातचीत का न्यौता मिलने के बाद उन्होंने अनशन खत्म करने का फैसला किया। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय तीन दिसंबर को वांगचुक से बातचीत करेंगे।

गृह राज्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त कमेटी की बैठक होगी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के संयुक्त सचिव ने अनशन पर बैठे कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें गृह मंत्रालय का पत्र सौंपा। लद्दाख बुद्धिस्ट संगठन के प्रधान ने कहा कि हम अपने चार सूत्रीय एजेंडा से पीछे नहीं हट रहे हैं। चार सूत्रीय एजेंडा पर ही बातचीत करेंगे। ना तो इसमें कोई मुद्दा शामिल होगा ना बाहर होगा। मांगों में लद्दाख को राज्य का दर्जा देने, संविधान की छठी अनुसूची लागू करने, स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने और दो लोकसभा की सीटें व एक राज्यसभा की सीट बनाना शामिल है।

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने, संविधान की छठी अनुसूची लागू करने और कई मांगों को लेकर सोनम वांगचुक ने लद्दाखियों के साथ एक सितंबर से लेह से पदयात्रा शुरू की थी। देश के कई हिस्सों से होते हुए 30 सितंबर को सोनम वांगचुक की यात्रा दिल्ली पहुंची। दिल्ली बॉर्डर पर उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। बाद में दिल्ली पुलिस ने उन्हें दो अक्टूबर को रिहा कर दिया था। रिहा करते समय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि लद्दाख के मुद्दों को लेकर दिल्ली में उनकी पीएम मोदी व गृहमंत्री शाह के साथ बैठक होगी। इस आश्वासन पर जब बाद में उचित कार्रवाई न हुई तो उन्होंने दिल्ली में अनशन शुरू कर दिया था।

वांगचुक को दिल्ली के जंतर मंतर पर अनशन करने की अनुमति नहीं मिली थी। इस पर उन्होंने कहा था कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की राजधानी में कोई ऐसी जगह नहीं है, यहां पर लोग अपनी बात को उठा सकें। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि महात्मा गांधी के देश में उनके पद्चिन्हों पर चलना इतना मुश्किल क्यों है। जंतर मंतर पर अनशन करने की अनुमति न मिलने पर वह लद्दाख भवन में अनशन किया।

यमुना नदी के ऊपर बादलों की तरह छाया जहरीला झाग, स्वास्थ्य के लिए खतरनाक

-वीडियो वायरल, यूजर्स बोले- समुद्र का पानी साफ हो सकता है तो यमुना का क्यों नहीं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी में जहरीले झाग की सफेद चादर सुर्खियां बनी हुई है। इसे अंतरिक्ष से सैटेलाइट इमेजरी में भी कैद किया गया है। तस्वीरों में दक्षिण पूर्वी दिल्ली के ओखला इलाके में करीब तीन किमी दूरी पर स्थित दो बैराजों के पास यमुना नदी में झाग बहता दिखाई दे रहा है। इन दिनों सोशल मीडिया पर इसकी वीडियोज खूब वायरल हो रही है, जिनमें नदी के बड़े हिस्से में झाग दिखाई दे रहा था, जो पानी के ऊपर बादलों जैसा नजर आ रहा था। यूजर्स कह रहे हैं कि जब समंदर का पानी साफ हो सकता है तो यमुना का क्यों नहीं?

एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है, खासकर त्योहारों के मौसम के आने पर। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि शहर की स्थिति पर सरकार नजर रख रही है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि अधिकारियों ने इस समस्या से निपटने के लिए पहले ही डिफोमर्स का छिड़काव करवा दिया है और सरकार स्थिति को संभालने और हल करने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रही है। मीडिया रिपोर्ट में साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपल के एसोसिएट कोऑर्डिनेटर ने बताया कि आमतौर पर यमुना के ऊपरी हिस्से में बाढ़ की स्थिति बनी रहती है, लेकिन इस साल हाल ही में खत्म हुए दक्षिण-पश्चिम मानसून में ऐसी कोई स्थिति नहीं बन पाई है।

पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक, इस झाग में अमोनिया और फॉस्फेट की उच्च मात्रा होती है, जो श्वसन और त्वचा संबंधी समस्याओं सहित गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है। इस तरह का झाग तब बनता है, जब सड़ते हुए पौधों और प्रदूषकों से निकलने वाली चर्बी पानी में मिल जाती है, लेकिन मानसून के दौरान इसकी मौजूदगी चौकाने वाली है। कोऑर्डिनेटर ने कहा कि यह असामान्य है क्योंकि नदी में हर साल इस सेगमेंट में कम से कम दो बार कम या मध्यम बाढ़ आती है। उन्होंने कहा कि नदी में प्रदूषण मानव स्वास्थ्य और वन्यजीवों को प्रभावित करने वाली एक गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि नदी में कुछ प्राकृतिक सफाई क्षमता है, लेकिन प्रदूषण का स्तर चिंताजनक है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि सरकारी इंजीनियरों को ओखला और आगरा नहर बैराज पर ऑपरेशन की निगरानी करने का काम सौंपा गया है। एक्सपर्ट्स ने सरकार से नदी में प्रदूषण के स्तर को कम करने का आग्रह किया है।

गोपाल राय का उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा को खत... दिल्ली में डीजल बसें न भेजें

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के संकट के बीच दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली से सटे बीजेपी शासित राज्यों को पत्र लिखा है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के परिवहन मंत्रियों को लिखे पत्र में राय ने दिल्ली आने वाली बसों के संबंध में कुछ बातें कही हैं। उन्होंने पत्र में लिखा, दिल्ली में डीजल बसें न भेजें, दिल्ली की तरह सीएनजी और ईवी सार्वजनिक बसों की व्यवस्था करें। दिवाली और सर्दी आने से पहले ही दिल्ली की हवा प्रदूषित होने लगी है। जहरीली होती हवा के बीच कहा जा रहा है कि दिल्ली में जल्द ही ग्रैप-2 लागू किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है दिल्ली में उन कामों पर रोक लग जाएगी, जिससे प्रदूषण बढ़ने की आशंका रहती है।

बहन को लेकर राहुल गांधी की अपील... वायनाड से प्रियंका से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नही

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपनी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। पोस्ट में कहा है कि वह वायनाड से प्रियंका गांधी से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकते। यह पोस्ट प्रियंका गांधी केरल की वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से एक दिन पहले किया गया है।

राहुल गांधी ने एक पोस्टर साझा किया, जिसमें वे अपनी बहन प्रियंका के साथ दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा, वायनाड के लोगों का मेरे दिल में विशेष स्थान है और मैं अपनी बहन प्रियंका से बेहतर उनके प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता। मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की एक धुर समर्थक रहेंगी और संसद में एक सशक्त आवाज बनेंगी।

राहुल गांधी ने कहा, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। आइए हम सब मिलकर सुनिश्चित करें कि वायनाड का प्रतिनिधित्व प्यार से होता रहे। प्रियंका गांधी बुधवार को वायनाड से अपना नामांकन दाखिल करेंगी, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी उपस्थित रहने वाले है।

राहुल गांधी ने पहले के चुनावों में वायनाड और रायबरेली संसदीय सीट से जीत हासिल की थी, लेकिन उन्होंने रायबरेली सीट का प्रतिनिधित्व करने का फैसला किया था। प्रियंका गांधी की यह पहली चुनावी एंट्री होगी। अगर वह वायनाड से चुनाव जीत जाती हैं, तब यह पहली बार होगा जब गांधी परिवार के तीनों सदस्य संसद में एक साथ नजर आएंगें। वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव 13 नवंबर को होगा, और इसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

चिराग की दो टूक.... कई लोग हैं जो चाहते हैं कि मेरे और मेरे प्रधानमंत्री के बीच दूरियां आएं

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर उठ रही अटकलों को खारिज किया। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को गठबंधन में केवल एक सीट मिलने से नाराज हैं। केंद्रीय मंत्री पासवान ने स्पष्ट किया, 'मैं एक बात साफ कर दूं कि इसतरह के कई लोग हैं जो चाहते हैं कि मेरे और मेरे प्रधानमंत्री के बीच दूरियां आएं। मैं अपने प्रधानमंत्री से किसी भी तरह से विवाद में नहीं पड़ सकता। उन्होंने कहा कि वह न केवल खुश हैं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन से पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने बताया, भाजपा ने हमें वहीं सम्मान दिया है जो हमारे नेता रामविलास पासवान के समय में मिला करता था। हमें 2014 में भी एक सीट मिली थी, और इस बार हमने जो सीटें चुनी थीं, उसी में से हमें गठबंधन के तहत लड़ने का मौका मिला है।'

चिराग ने विश्वास जाहिर कियास कि उनकी पार्टी चुनावी मैदान में पूरी ताकत से उतरेगी और झारखंड में एक मजबूत एनडीए सरकार बनाने की उम्मीद जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'हेमंत सोरेन की सरकार में भ्रष्टाचार और विवादों की भरमार है। मुख्यमंत्री तक को भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल जाना पड़ा है। इसके बाद राज्य की स्थिति शर्मनाक हो गई है। उन्होंने इंडिया गठबंधन के भीतर के मतभेदों का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद के बीच आरोप-प्रत्यारोप से यह साफ है कि विपक्ष एकजुट नहीं है। उन्होंने कहा, 'जो गठबंधन एक-दूसरे के साथियों को चुनाव लड़ने तक का सम्मान नहीं दे पा रहा, वह कैसे एक मंच पर आकर वोटर्स को रिझाएंगे।'

मजदूरों का घाटी छोड़ना समस्या का हल नहीं, देश में जाएगा गलत संदेश

- महबूबा मुफ्ती ने राज्य सरकार पर लगाए आरोप

जम्मू (एजेंसी)। कश्मीर में बढ़ रहे आतंकी हमलों पर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि कश्मीर समस्या का हल निकालने के लिए राज्य सरकार को सार्थक प्रयास करने चाहिए। सोनमर्ग में हुए बर्बर हमले के बाद स्थानीय प्रशासन नॉन-लोकल मजदूरों पर तुरंत घाटी छोड़ने का दबाव बना रहा है। मैं समझती हूं कि यह प्रशासन की घबराहट है। मगर, उन्हें इस तरह से चले जाने के लिए कहना कोई समाधान नहीं है। ऐसा करने से अधिक कठिनाइयां पैदा होंगी और देश में बहुत बुरा संदेश जाएगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल ही में शांतिपूर्ण और आतंक मुक्त चुनाव सम्पन्न हुए हैं। अब ऐसी त्वरित प्रतिक्रिया से दूसरे राज्यों में काम करने और पढ़ने वाले कश्मीरियों के खिलाफ भी नाराजगी हो सकती है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और राज्यपाल मनोज सिन्हा से निवेदन है कि हस्तक्षेप करें और कम से कम उन्हें पर्याप्त समय दिया जाए। मालूम हो कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादी हमला हुआ। इसमें एक डॉक्टर और 6 श्रमिकों की मौत हो गई।

कश्मीर समस्या हल करने के लिए वास्तविक प्रयासों की आवश्यकता

पीडीपी की नेता व महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने भी गांदरबल हमले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव या अंतरराष्ट्रीय मैराथन जैसे बड़े आयोजन इस सच्चाई को नहीं छिपा सकते कि कश्मीर में एक ऐसी समस्या है जिसे हल करने के लिए वास्तविक प्रयासों की आवश्यकता है। कश्मीर में एक ऐसी समस्या है, जो दशकों से निर्दोष लोगों की जान ले रही है। यह तब तक जारी रहेगी जब तक हम इसे स्वीकार नहीं करते और इसे हल करने के लिए वास्तविक प्रयास नहीं करते।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी एसो के निदेशक ने कहा- ट्रूडो की हरकतों ने दुनिया भर में सिखों को मुसीबत में डाला

वाशिंगटन, एजेंसी। उत्तरी अमेरिकी पंजाबी एसोसिएशन (एनएपीए) के कार्यकारी निदेशक सतनाम सिंह चहल का कहना है कि भारत और कनाडा के बीच चल रही कूटनीतिक दरार उत्तरी अमेरिका और उसके बाहर सिख समुदाय के भीतर बढ़ती चिंता का कारण बन रही है। सिख प्रवासी समुदाय में एक प्रमुख आवाज़ चहल ने चेतावनी दी है कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के न केवल कनाडा में बल्कि दुनिया भर में सिखों के लिए दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। चहल ने एक साक्षात्कार में कहा, भारत और कनाडा के बीच बढ़ते संघर्ष को रचनात्मक बातचीत के माध्यम से सुलझाने की आवश्यकता है ताकि दुनिया भर में सिख समुदाय के अधिकारों और कल्याण की रक्षा की जा सके। भारतीय प्रवासियों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध संगठन एनएपीए के नेता के रूप में, चहल विशेष रूप से कनाडा के सर्रे में खालिस्तान कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भड़के तनाव से परेशान हैं। निज्जर की हत्या और उसके बाद के कूटनीतिक नतीजों ने सिखों के सामने पहचान, सुरक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बारे में पश्चिमी देशों में रहने वालेआने वाली जटिल चुनौतियों को उजागर किया है। 1997 से संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे चहल ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि यह स्थिति सिख प्रवासियों को कैसे प्रभावित कर रही है। उन्होंने बताया, विश्व स्तर पर, सिखों की अपने समुदायों के लिए परोपकार और सेवा के लिए लंबे समय से प्रतिष्ठा है, लेकिन शत्रुता के मौजूदा माहौल ने हमारे अपने गुरुद्वारों के भीतर भी विभाजन पैदा कर दिया है।

विश्व के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के 8वें राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने ली शपथ

जकार्ता, एजेंसी। प्रबोवो सुबियांतो ने विश्व के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया के आठवें राष्ट्रपति के रूप में रविवार को शपथ ली। पूर्व रक्षा मंत्री प्रबोवो सुबियांतो (73) ने देश के सांसदों और अन्य देशों से आमंत्रित किए गए गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष मुस्लिमों के पवित्र धर्म ग्रंथ 'कुरान पर हाथ रखकर राष्ट्रपति पद की शपथ ली, जिसके बाद सड़कों पर मौजूद हजारों समर्थकों ने उनका स्वागत किया। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित हुए शपथ ग्रहण समारोह में 40 से अधिक देशों के नेता और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, सऊदी अरब, रूस, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया और अन्य दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश सम्मिलित हैं। सुबियांतो लंबे समय से बेहद लोकप्रिय राष्ट्रपति जोको विडोडो के प्रतिद्वंद्वी रहे हैं और उन्होंने इससे पहले दो बार 2014 और 2019 में उनके खिलाफ राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों ही मौकों पर जोको विडोडो ने अपनी हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, विडोडो ने पुन- राष्ट्रपति बनने के बाद सुबियांतो को रक्षा प्रमुख नियुक्त किया था। सुबियांतो के साथ-साथ देश के नए उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका (37) ने भी शपथ ली। वह सुरकार्ता के मेयर रह चुके हैं। सुबियांतो ने विडोडो के बेटे को उप-राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में संदिग्ध आतंकवादियों ने पुलिस अधिकारी की हत्या की

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बंदूकधारियों ने आतंकवाद निरोधक विभाग के एक अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उप निरीक्षक शेर अली की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई जब वह बन्नू जिले में एक मस्जिद से नमाज अदा करके बाहर निकल रहे थे। हमले में एक व्यक्ति घायल हो गया।

नेपाल की धरती पर चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी : प्रधानमंत्री ओली

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली ने कहा कि देश में चीन विरोधी गतिविधियां नहीं होने दी जाएंगी और यह 'एक चीन' नीति का समर्थन करता है। ओली ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जिनिंग के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में यह टिप्पणी की। यह बैठक काठमांडू के बालूवातार में उनके आधिकारिक आवास पर हुई। 'एक चीन' नीति के प्रति नेपाल की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए ओली ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि नेपाल की सीमा में कोई भी चीन विरोधी गतिविधि नहीं होने दी जाएगी। चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले सभी देशों के लिए एक चीन नीति का पालन करना अनिवार्य है। बैठक के दौरान ओली ने नेपाल के आर्थिक विकास के लिए चीन से निरंतर समर्थन की आशा भी व्यक्त की।

अमेरिका का पेनसिल्वेनिया राज्य तय करेगा, कौन बनेगा राष्ट्रपति ! पानी की तरह पैसे बहा रहे ट्रंप और कमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाले हैं और दोनों ही उम्मीदवारों, डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर होने का अनुमान है, लिहाजा कौन राष्ट्रपति बनेगा, ये अब स्विंग स्टेट पर निर्भर हो गया है। अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाला राज्य पेंसिल्वेनिया 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के लिए ग्राउंड जीरो बनकर उभरा है। राजनीतिक एक्सपर्ट्स का मानना है, कि डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस और उनके रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के बीच राज्य में कड़ी टक्कर होने वाली है। राष्ट्रपति पद की दौड़ जीतने के लिए 270 इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की जरूरत होती है और अमेरिका के 50 राज्यों में से प्रत्येक में इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की संख्या अलग-अलग है। पेंसिल्वेनिया में 19 जबकि डेमोक्रेटिक गढ़ कैलिफोर्निया में 54 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं, उसके बाद टेक्सास, जो रिपब्लिकन का गढ़ है, वहां 40 इलेक्टोरल कॉलेज हैं। आपको बता दें, कि 5 नवंबर को जो वोटिंग होने वाली है, उसमें जो उम्मीदवार जीतेगा, उसे विजेता नहीं माना जाएगा, बल्कि जो उम्मीदवार इलेक्टोरल कॉलेज में 270 से ज्यादा वोट लेकर आएगा, उसे विजयी माना जाएगा। लिहाजा आप कह सकते हैं, कि पॉपुलर वोट का कोई मतलब नहीं होता है।

अमेरिका में सात स्विंग स्टेट : प्रत्येक राज्य में राजनीतिक समर्थन को

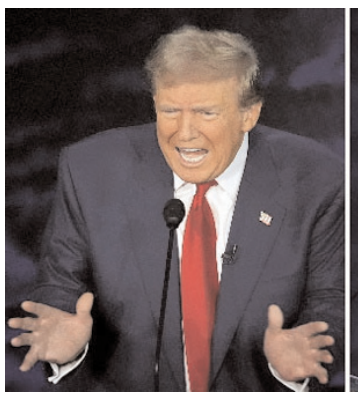

देखते हुए, विशेषज्ञों ने पिछले मतदान पैटर्न के आधार पर किसी उम्मीदवार को मिलने वाले इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की संख्या का पहले ही पता लगा लिया है, सिवाय सात बैटलग्राउंड राज्यों के। ये सात राज्य हैं नेवादा, जिसके पास 6 इलेक्टोरल कॉलेज वोट हैं, एरिजोना (11), विस्कॉन्सिन (10), मिशिगन (15), पेंसिल्वेनिया (19), जॉर्जिया (16) और नॉर्थ कैरोलिना (16)। तेजी से बदलते राजनीतिक माहौल के साथ, दोनों उम्मीदवार अब पेनसिल्वेनिया को जीतना जरूरी मानते हैं। कमला हैरिस और ट्रंप, दोनों के चुनाव अभियानों के हजारों स्वयंसेवक मतदाताओं को अपने नेताओं के लिए वोट देने के लिए मनाने के लिए इस युद्ध के मैदान वाले राज्य में पहुंचे हैं। हिल के डिसीजन डेस्क मुख्यालय ने हाल ही में एक पूर्वानुमान और मतदान औसत के विश्लेषण में बताया है, कि हमें नहीं लगता कि कोई भी उम्मीदवार पेनसिल्वेनिया जीते बिना 270 इलेक्टोरल वोट तक पहुंच पाएगा। प्रतिष्ठित वेबसाइट ने कमला हैरिस को 226 इलेक्टोरल कॉलेज वोट और ट्रंप को 219 वोट दिए हैं। एनबीसी न्यूज इलेक्शन डेस्क के मुताबिक, पेंसिल्वेनिया 2024 के चुनाव में सबसे महत्वपूर्ण युद्ध के मैदान वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। दोनों उम्मीदवारों ने झोंकी ताकत द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 में पेंसिल्वेनिया में एक प्रतिशत से भी कम अंतर से जीत हासिल की थी और 2020 में लगभग एक प्रतिशत से हार गए थे। कमला हैरिस वहां प्रतिस्पर्धी बनी हुई हैं, लिहाजा राज्य को टॉस-अप के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यही कारण है कि हैरिस और ट्रंप, दोनों किसी भी अन्य स्थान की तुलना में पेंसिल्वेनिया में ज्यादा धन, समय और ऊर्जा डाल रहे हैं, और पूरे राज्य में विज्ञापन युद्ध छेड़ रहे हैं। द न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है, कि 2024 में व्हाइट हाउस की दौड़ में सात मुख्य युद्धक्षेत्र हो सकते हैं, जिनमें से सभी निर्णायक साबित हो सकते हैं। लेकिन पेंसिल्वेनिया एक ऐसा राज्य है, जिसे कमला हैरिस और ट्रंप दोनों के शीर्ष रणनीतिकारों ने चुनाव में सबसे ज्यादा बढ़त के लिए चुना है। डेली के अनुसार, ट्रंप या खास तौर पर कमला हैरिस के लिए, इसके बिना जीत के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल कॉलेज वोट तक पहुंचना चुनौतीपूर्ण है। जानकार सूत्रों ने पीटीआई को बताया है, कि डेमोक्रेटिक नेशनल फाइनेंस कमेटी ने हाल ही में फिलाडेल्फिया में अपने फॉल रिट्रीट प्रोग्राम के दौरान इसी निष्कर्ष पर पहुंची कि पेंसिल्वेनिया जीते बिना कमला हैरिस के जीतने का कोई रास्ता नहीं है। वहीं, ट्रंप अभियान भी यही मानता है। कमला हैरिस, ट्रंप का जोरदार अभियान डेमोक्रेट्स ब्लू वॉल जीतने पर भरोसा कर रहे हैं, जिसमें मिशिगन, विस्कॉन्सिन और पेंसिल्वेनिया शामिल हैं, जबकि ट्रंपप अभियान, तीनों राज्यों में कमला हैरिस को कड़ी टक्कर दे रहा है। ट्रंप ने 2016 में तीनों राज्य जीते थे। पीबीएस न्यूज ने बताया है, कि कमला हैरिस और ट्रंप, दोनों अभियान राज्य के 19 इलेक्टोरल वोटों को राष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए आवश्यक 270 तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं, जबकि वहां का मुकाबला, कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद) पर नियंत्रण भी निर्धारित कर सकती हैं। एनबीसी न्यूज के अनुसार, दोनों अभियानों ने हाल के महीनों में राज्य को कवर किया है।

अमेरिकी चुनाव-मैकडॉनल्ड्स में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने बनाए फ्राइज

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फिलाडेल्फिया के मैकडॉनल्ड्स फ्रैंचाइज में लोगों को सर्व करते दिखे. वहीं, उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने अटलांटा में समर्थन जुटाने के लिए पूजा-अर्चना में भाग लिया. शर्ट और टाई के ऊपर एप्रन पहने ट्रंप ने फ्राइज बनाए और मैकडॉनल्ड्स के कर्मचारियों से बातचीत की. ट्रंप ने कहा कि वास्तव में, इसे सही तरीके से और तेजी से करने के लिए बहुत विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है. उन्होंने कहा कि मुझे यह काम पसंद है. अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप का मैकडॉनल्ड्स का दौरा हैरिस के कॉलेज के दिनों में फास्ट-फूड चेन में काम करने के बयान के जवाब में हुआ. दूसरी ओर, हैरिस ने अटलांटा में अपने 60वें जन्मदिन पर दो पूजा-अर्चना में भाग लिया. जॉर्जिया के जोन्सबोरो में डिवाइन फेथ मिनिस्ट्रीज़ इंटरनेशनल की अपनी यात्रा के दौरान, प्रसिद्ध संगीतकार स्टीवी वंडर ने अपना हिट हायर ग्राउंड और बॉब मार्ले के रिडेम्पशन सॉन्ग का एक संस्करण गाकर पेश किया. अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार कि उन्होंने हैरिस के लिए हैप्पी बर्थडे भी गाया. जॉर्जिया में जनता को संबोधित करते हुए हैरिस ने कहा कि इस समय हमारे देश में, हम जो देख रहे हैं वह यह है कि कुछ लोग हमारे बीच विभाजन को गहरा करने, नफरत फैलाने, डर फैलाने और अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि इस समय, हमारा देश एक चौराहे पर है और हमें कहां जाना है यह हम पर निर्भर करता है. इससे पहले मिशिगन में हैरिस के अभियान के दौरान गायिका और रैपर लिजो ने डेमोक्रेट को अपना समर्थन दिखाया।

मिस्र बना मलेरिया मुक्त, डब्ल्यूएचओ ने की घोषणा

जिनेवा/काहिरा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को मिस्र को मलेरिया मुक्त देश घोषित कर दिया। यह उपलब्धि हासिल करने वाला वह दुनिया का 44वां देश है। डब्ल्यूएचओ ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 10 करोड़ की आबादी वाले मिस्र की सरकार की करीब 100 साल की कोशिश के बाद उसने यह उपलब्धि हासिल की है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. तेद्रोस ए. गेब्रेयेसस ने एक बयान में कहा, मलेरिया रोग उतना ही पुराना है, जितनी मिस्र की सभ्यता। फराओ को मात देने वाली यह बीमारी अब उसके इतिहास की बात बन चुकी है, न कि भविष्य की। उन्होंने कहा कि मिस्र की यह उपलब्धि वाकई ऐतिहासिक है और वहां के लोगों तथा सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। साल 2010 के बाद पूर्वी मेडिटरेनियन क्षेत्र में पहली बार किसी देश को मलेरिया मुक्त घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात और मोरक्को के बाद सफलतापूर्वक मलेरिया उन्मूलन करने वाला यह तीसरा देश है। मिस्र के उप-प्रधानमंत्री डॉ. खालिद अब्दुल गफ्फार ने कहा कि मलेरिया उन्मूलन का यह प्रमाणन एक नए चरण की शुरुआत है। अब इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए अथक प्रयास की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ किसी देश को मलेरिया मुक्त होने का प्रमाणन तब देता है।

उत्तरी गाजा में इजरायली एयर स्ट्राइक, 73 की मौत, 100 से ज्यादा घायल

येरूशलम, एजेंसी। उत्तरी गाजा के एक शहर बेत लाहिया पर इजरायली हमले में शनिवार शाम को कम से कम 73 फिलिस्तीनी मारे गए, यह जानकारी एन्क्लेव के सरकारी मीडिया कार्यालय ने दी। हमले में 100 से ज्यादा लोग घायल हुए और कई लोग लापता हैं। मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा पट्टी के डॉक्टर्स ने बताया कि इजरायली एयर स्ट्राइक ने एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनाया और आस-पास के कई घरों को नुकसान पहुंचाया। सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि इजरायली सेना ने बेत लाहिया में भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाकों पर बमबारी की, साथ ही कहा कि हताहतों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

मीडिया कार्यालय ने कहा, यह नरसंहार और जातीय सफाए का युद्ध है। मिडिल ईस्ट आई ने अल जजीरा की रिपोर्ट के हवाले से जानकारी दी कि इस हमले ने शहर के पूरे पश्चिमी हिस्से को हिलाकर रख दिया और लोग जब अंदर थे, तब इमारतें ढह गईं। निवासियों को अपने घर छोड़ने की कोई चेतावनी नहीं दी गई। कई लोग मलबे के नीचे फंस गए, पैरामेडिक्स और नागरिक सुरक्षा दल इजरायली बमबारी की तीव्रता के कारण तुरंत उस क्षेत्र में नहीं पहुंच पाए।

बेत लाहिया में कमाल अदवान अस्पताल के निदेशक होसम अबू साफिया ने कहा कि हमले में घायल हुए कई लोग संसाधनों, चिकित्सा आपूर्ति और विशेष कर्मियों की भारी कमी के कारण नहीं बच पाए। उन्होंने कहा कि मलबे के नीचे दर्जनों लोग लापता हैं और संसाधनों की कमी और चल रहे हमलों के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका।

वहीं इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने एक बयान में कहा है कि हमास द्वारा नियंत्रित मीडिया गाजा में हताहतों के आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा है। द

टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक आईडीएफ ने कहा कि यह दावे इस्तेमाल किए जा रहे सटीक हथियारों और हमास आतंकवादी समूह से संबंधित आतंकवादी लक्ष्य पर हमले की सटीकता से मेल नहीं खाते। आईडीएफ ने कहा कि वह घटना की जांच कर रहे हैं। उसने इस बात पर जोर दिया कि यह एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ और वह निर्दोष लोगों को नुकसान पहुंचाने से बचने की पूरी कोशिश कर रहा है।

इससे पहले शनिवार को इजरायली सेना ने इंडोनेशियाई अस्पताल को घेर लिया और उस पर बमबारी की, जो बेत लाहिया में ही स्थित है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायली सेना ने ऊपरी मंजिलों को निशाना बनाया, जहां 40 से अधिक मरीज और चिकित्सा कर्मचारी मौजूद थे। इंडोनेशियाई अस्पताल के निदेशक मारवान सुल्तान ने कहा, इजरायली टैंकों ने अस्पताल को पूरी तरह से घेर लिया, बिजली काट दी और अस्पताल पर बमबारी की, तोपखाने से दूसरी और तीसरी मंजिलों को निशाना बनाया। शनिवार का हमला ऐसे समय में हुआ जब उत्तरी गाजा में जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायली घेराबंदी का 15वां दिन था।

बांग्लादेश में चुनावी सुगबुगाहट के बीच बीएनपी ने की अंतरिम सरकार की आलोचना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में आम चुनाव को लेकर हलचल है. इस बीच राजनीतिक दलों की ओर से सवाल उठाए जा रहे हैं कि देश में चुनाव कब होंगे. इस बीच बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने चुनाव आयोग के पुनर्गठन को लेकर समिति गठित करने की बात कही है. बांग्लादेश की सरकारी मीडिया संगबाद के अनुसार मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने आम चुनाव को लेकर आयोग के पुनर्गठन पर जोर दिया है. उन्होंने इसके लिए एक समिति गठित करने की बात कही है. उन्होंने इस दौरान कहा कि समिति में छह सदस्य होंगे. बाद में मुख्य सलाहकार के निजी सहायक महफूज आलम ने चुनाव को लेकर मतदाता सूची तैयार की जाने की बात कही. इस बीच बांग्लादेश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (ब्नहक्क) के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव ने चुनाव की तारीख की घोषणा नहीं करने के लिए अंतरिम सरकार की आलोचना की. वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने कहा कि सरकार चुनाव की तारीख

की घोषणा न करके देश को गतिरोध की ओर ले जा रही है. ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार रिजवी ने अंतरिम सरकार की इस बात के लिए आलोचना की कि वह सुधारों के पूरा होने की निश्चित तिथि के बिना ही उनके बारे में बात कर रही है. पबना के बेरा उपजिला में एक रैली को संबोधित करते हुए रिजवी ने कहा, आप अंतरिम सरकार के तहत सुधारों की बात कर रहे हैं, लेकिन आप में से प्रत्येक चुनाव कब होंगे, इस बारे में अलग-अलग बयान दे रहे हैं. आप इस बारे में कोई निश्चित तारीख नहीं दे रहे हैं कि आपके सुधार कब पूरे होंगे. ढाका ट्रिब्यून के अनुसार उन्होंने आगे कहा कि लोगों के मन में आपके बारे में सवाल होंगे. हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप आवश्यक सुधार करें और तुरंत चुनाव कराएं. शनिवार को अंतरिम सरकार के एक सलाहकार ने कहा कि बांग्लादेश का अगला आम चुनाव 2025 में होने की संभावना है. अंतरिम सरकार के सलाहकार डॉ. आसिफ नजरुल ने एक बयान में कहा कि अगले साल के भीतर चुनाव संभव हो सकते हैं, लेकिन इसमें कई कारक शामिल हैं. कहा जाता है कि सुधार और राजनीतिक समझौते चुनावों की ओर ले जाते हैं. अन्य कारक हैं खोज समिति और चुनाव आयोग का गठन, मतदाता सूची तैयार करना आदि. अगर ये कारक पूरे हो जाते हैं, तो अगले साल चुनाव हो सकते हैं. उन्होंने कहा, यह मेरा भी शुरुआती अनुमान है. बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिति अस्थिर है, क्योंकि शेख हसीना ने बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर इस साल 5 अगस्त को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था. सरकारी नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली को समाप्त करने की मांग करने वाले छात्रों द्वारा किए गए।

इजरायल को बड़ा झटका, उत्तरी गाजा में टैंक से निकलते ही सेना ब्रिगेड कमांडर दक्सा की मौत

येरूशलम, एजेंसी। उत्तरी गाजा के जबालिया में अभियान चला रही इजरायली सेना को बड़ा झटका लगा है। रविवार को एक विस्फोट में सेना के एक ब्रिगेड कमांडर की उस समय मौत हो गई जब वह टैंक से उतरकर क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे । चार महीने पहले ही वह ब्रिगेड कमांडर बने थे। उत्तरी गाजा में हमास के खिलाफ अभियान के दौरान रविवार 20 अक्टूबर को विस्फोट में ब्रिगेड कमांडर की जान चली गई । इजरायली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 401वीं ब्रिगेड के कमांडर कर्नल अहसान दक्सा जबालिया क्षेत्र में मारे गए हैं।

दक्सा अपने टैंक से निकलने के बाद वह एक विस्फोटक की चपेट में आ गए। वह साल भर से चल रहे गाजा युद्ध में मारे गए इजरायली सेना के सबसे वरिष्ठ कमांडरों में से एक थे।कर्नल दक्सा को 2006 में लेबनान के हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध में घायल सैनिकों को बचाने के लिए सम्मानित किया गया था। इजरायली सेना एक बार फिर हिजबुल्लाह के खिलाफ जंग में है। इजरायल के राष्ट्रपति ने दक्सा को एक नायक बताया। दक्सा की मौत के साथ ही 27 अक्टूबर 2023 को गाजा में जमीनी हमला शुरू करने के बाद से इजरायल के मारे गए सैन्यकर्मियों की संख्या 358 हो गई है। 41 साल के दक्सा इजरायल के द्रूज समुदाय के सदस्य थे और उन्हें चार महीने पहले ब्रिगेड

कमांडर नियुक्त किया गया था। उनकी ब्रिगेड जबालिया में एक अभियान का नेतृत्व कर रही थी। हगारी ने कहा कि घटना में एक अन्य बटालियन कमांडर और दो अधिकारी घायल हुए हैं। इजरायल के रक्षा मंत्री ने बयान जारी कर कहा कि दक्सा हमास आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए। उन्होंने कहा, वे क्षेत्र का निरीक्षण करने बाहर निकले और विस्फोटक से घायल हो गए। इजरायली सेना ने 6 अक्टूबर को जबालिया और उत्तरी गाजा के अन्य हिस्सों में जमीनी और हवाई हमला शुरू किया था। सेना का कहना है कि उसका उसका उद्येश्य हमास के आतंकवादियों को फिर से संगठित होने से रोकना है। हमास द्वारा संचालित क्षेत्र की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि दो सप्ताह से जारी हमले में 400 से अधिक लोग मारे गए हैं।

कनाडा की राजनीति में फिर पंजाबियों की बल्ले-बल्ले ! ब्रिटिश कोलंबिया चुनावों में 10 पंजाबी जीते और 1 आगे

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की राजनीतिक में एक बार फिर पंजाबी सफलता के झंडे गाढ़ रहे हैं। एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, हाल ही में ब्रिटिश कोलंबिया (बीसी) प्रांतीय चुनावों में 10 पंजाबी मूल के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है और एक आगे चल रहा है, जिससे कनाडाई राजनीति में समुदाय का प्रभाव और मजबूत हुआ है। यह जीत ऐसे समय में मिली है जब इंडो-कैनेडियन आबादी, विशेष रूप से पंजाबी समुदाय प्रमुखता से लगातार बढ़ रहा है, खासकर ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में। कांटे की टक्कर में एनडीपी और कंजर्वेटिव ने क्रमशः 46-45 सीटें जीती हैं, जबकि ग्रीन पार्टी 93 सीटों वाले बीसी हाउस में दो सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रही। ये सफल उम्मीदवार विभिन्न राजनीतिक पृष्ठभूमि से हैं, जो न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे स्वास्थ्य सेवा सुधार, आर्थिक विकास, जलवायु कार्रवाई और अप्रवासी समुदायों के लिए अधिक समर्थन जैसे मुद्दों की वकालत करते हुए विविध मंचों पर चुनाव लड़े।

इस चुनावी जीत को कनाडा की राजनीति में दक्षिण एशियाई, विशेष रूप से पंजाबियों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम के रूप में देखा जाता है, जो एक ऐसे समुदाय को और सशक्त बनाता है जो कनाडा के सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का अभिन्न अंग रहा है।प्रमुख विजेताओं में मौजूदा आवास मंत्री रवि कहलोन भी शामिल थे, जिन्होंने डेल्टा नॉर्थ सीट को महत्वपूर्ण अंतर से बरकरार रखा। बीसी के राजनीतिक परिदृश्य में एक प्रमुख व्यक्ति कहलोन आवास और जलवायु परिवर्तन से संबंधित नीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। एक अन्य उल्लेखनीय

विजेता ब्रिटिश कोलंबिया की विधान सभा के निवर्तमान अध्यक्ष राज चौहान हैं। उन्होंने रिकॉर्ड छठी बार जीत हासिल की है और इससे पहले 2013 से 2017 तक विधान सभा के सहायक उपाध्यक्ष और 2017 से 2020 तक उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। विपक्ष में रहते हुए, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, मानवाधिकार, आव्रजन और बहुसंस्कृतिवाद और श्रम के आलोचक के रूप में कार्य किया। वे पहली बार 2005 में विधायक चुने गए और फिर 2009, 2013, 2017, 2020 और 2024 में फिर से चुने गए। व्यापार राज्य मंत्री जगरूप बरार ने सर्रे फ्लीटवुड से सातवीं बार जीत हासिल की है। वे 2013 में सिर्फ़ एक बार हारे थे और उन्होंने जितने भी चुनाव लड़े, सभी जीते। बरार का जन्म बठिंडा में हुआ था और वे भारतीय पुरुषों की राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम का हिस्सा थे।

अब चांदी ही चांदी ,मगर किसकी ?

(लेखक - राकेश अचल)

एक लाख प्रति किलो तक आ पहुंची चांदी हमारे जीवन में ही नहीं बल्कि हमारे साहित्य और कहावतों में भी ससम्मान मौजूद है । हम अक्सर कहते हैं कि - फलां साहब की तो चांदी ही चांदी है। या फलां साहब तो मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए है। ये साहब या फिर फलां साहब तो आजकल चांदी काट रहे है। कभी किसी ने नहीं कहा की फलां साहब का तो सोना ही सोना है या फलां साहब आजकल सोना काट रहे हैं। ये चांदी का वैभव है कि वो लोक जीवन में सोने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। समाज में चांदी की सिल्ली रखी जाती है लेकिन सोना बिस्किट से ज्यादा बड़ा नहीं हो पाया।

7 आज कोई पोलटिकल या कम्युनल बात नहीं होगी क्योंकि आज का मुद्दा तेजी से उछल रही चांदी है चांदी को रजत भी कहा जाता है। रजतपट का नाम तो आपने सुना ही होगा । चांदी इतनी तेजी से उछल रही है कि देखने वाले भौंचक हैं।इतना तेज तो हमारे एथलीट भी नहीं उछल पाते चांदी न खाने के काम आती है न आईस्क्रीम बनाने के काम लेकिन चांदी के भाव आसमान छूकर आसमान से भी ऊपर किसी तीसरे - चौथे ग्रह से आगे निकल गए हैं।

चांदी आम आदमी की धातु है । आम आदमी से मतलब गरीब-गुरवों की धातु । आदिवासियों की धातु। दवाओं और मिठाइयों को सजाने के लिए वर्क बनाने के काम आने वाली धातु । लेकिन अब इस चांदी को भी बाजार की नजर लग गयी है। चांदी हो या सोना या पीतल हमारे यहां धनतेरस पर खरीदा जाता है। परम्परा है। ज्योतिषी ऐसे योग बता देते हैं कि हैसियत हो या न हो बिना खरीदारी के मन नहीं मानता। अब धनतेरस और दीपावली से पहले जहां सोने की चमक बढ़ती जा रही है, तो वहीं दूसरी कीमती धातु चांदी भी लगातार उछल रही है । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को चांदी ने नया मुकाम छू लिया, जी हां, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी मैक्स पर एक किलो चांदी का भाव 1,00,000 रुपये के स्तर को छू गया।

चांदी के बढ़ते दाम ही देश की तरक्की का सबसे बड़ा प्रमाण हैं तो हमारा देश बिला शक तरक्की कर रहा है। इतनी तरक्की देश ने पहले कभी नहीं की। अब नहीं की तो नहीं की । हमें हकीकत को तस्लीम करना ही चाहिए। हम कोई विपक्ष तो हैं नहीं जो इस तरक्की को ख़ारिज कर दें ! हमें हकीकत का समाना करना आता है । हमें पता है कि हमारी हैसियत अपने परिवार की महिलाओं के लिए सोने के आभूषण खरीदने की भी नहीं है लेकिन अब हम शायद चांदी के आभूषण भी खरीदने लायक नहीं रहे। ये बात और है कि आजकल मोटे-ताजे अखबारों में चांदी के आभूषणों का कोई विज्ञापन नहीं छपता । केवल स्वर्ण और हीरे के आभूषणों के विज्ञापन आते हैं।

छात्र जीवन में हमने एक बार चांदी पर निबंध लिखा था । उस निबंध की कुछ पंक्तियाँ हमें आज भी याद हैं। जैसे कि - चांदी सफ़ेद चमकदार धातु है।चांदी ऊष्मा व विद्युत की सबसे अच्छी सुचालक है।चांदी का परमाणु भार 107.88, विशिष्ट घनत्व 10.55 से 9.87 तक, विशिष्ट ऊष्मा लगभग 0.56 तथा रेखीय प्रसारगुणक 1ए से 100ए सें. के बीच 0.0000194 है। दुनिया का तो पता नहीं किन्तु हमारे देश में चांदी का उपयोग सिक्के व आभूषण बर्तन बनाने के अलावा , फोटोग्राफी में काम आने वाले सिल्वर ब्रोमाइड बनाने में किया जाता है।चांदी के द्वारा अमलगम बना कर इससे दर्पण बनाये जाते हैं व दाँतों में भरने के काम आता है।चांदी से बनी मिश्रधातुयें अत्यधिक उपयोगी होती हैं। आयुर्वेद वाले स्वर्ण भस्म की तरह चांदी की रजत भस्म बनाकर रोगियों कि तमाम रोग भस्म करने का दावा करते है। लेकिन अब चांदी इतनी महंगी हो गयी है की आप न इसे दांत में भर सकते हैं और न शहद लगाकर चाट सकते हैं । मिठाइयों पार इसके वर्क लगाने का तो ख्वाब भी मत देखिये। चांदी के अक्षरों से कोई इतिहास भी तो नहीं लिखा जाता।

एक लाख प्रति किलो तक आ पहुंची चांदी हमारे जीवन में ही नहीं बल्कि हमारे साहित्य और कहावतों में भी ससम्मान मौजूद है । हम अक्सर कहते हैं कि - फलां साहब की तो चांदी ही चांदी है। या फलां साहब तो मुंह में चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए है। ये साहब या फिर फलां साहब तो आजकल चांदी काट रहे है। कभी किसी ने नहीं कहा की फलां साहब का तो सोना ही सोना है या फलां साहब आजकल सोना काट रहे हैं। ये चांदी का वैभव है कि वो लोक जीवन में सोने से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। समाज में चांदी की सिल्ली रखी जाती है लेकिन सोना बिस्किट से ज्यादा बड़ा नहीं हो पाया। भले ही किलो कि दाम सोने कि चांदी से ज्यादा हों,लेकिन किलो कि हिसाब से लोग सोना नहीं चांदी खरीदते है। चांदी आखिर सुरक्षित निवेश का भी तो माध्यम है।

भारत हालांकि कृषि प्रधान देश है लेकिन यहां चांदी की खपत बहुत ज्यादा है। भारत अपनी जरूरत की चांदी पैदा नहीं कर पाता तो उसे विदेशों से चांदी मंगाना पड़ती है। आखिर जनता का ख्याल तो रखना ही पड़ता है ! भारत में इसका बहुत कम उत्पादन होता है। भारत अक्सर बेल्जियम, ब्रिटेन, इटली, पश्चिमी जर्मनी आदि देशों से चांदी का आयात करता हैं। भारत में चांदी - राजस्थान में जावर माइन्स, कर्नाटक में चित्रदुर्ग तथा बेलारी ज़िले, आन्ध्र प्रदेश में कडपा, गुंटूर तथा कुरनूल ज़िले, झारखण्ड में संथाल परगना तथा उत्तराखण्ड में अल्मोड़ा में मिल जाती है। पहले इसका उत्खनन तमिलनाडु के अन्नतपुर में भी किया जाता था जो अब समाप्त हो गया है। पुराने आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1999-2000 के दौरान देश में कुल 53641 किग्रा. चांदी का उत्पादन हुआ था।

चांदी भी छूई-मुई है। विशेषज्ञ बताते हैं कि चांदी में ये उछाल मध्य पूर्व में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव और आगामी अमेरिकी चुनावों से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण देखने को मिल रहा है. केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टरअजय केडिया का अनुमान है कि मार्च 2025 तक चांदी का भाव 1.3 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुँच सकता है। यानि चांदी को महंगा करने में हमारे देश की गठबंधन या बैशाखनंदन सरकार का कोई हाथ नहीं है। कोई भूमिका नहीं है,इसलिए उसे इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी हमारी सरकार कोई जिम्मेदारी अपने ऊपर कभी लेती नहीं। उसे राम पर भरोसा है और जनता को भी।

हमारी सरकार देश की जनता के, लिए कोई दूसरी जरूरी चीज का आयात करे या न करे लेकिन चांदी का आयात जरूर करती है । सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत ने जनवरी से अप्रैल के दौरान रिकॉर्ड 4,172 मीट्रिक टन चांदी का आयात किया, जो एक वर्ष पहले इसी अवधि आयात से 455 टन से अधिक है। ये हमारी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि जरूर है। पिछले बजट में ही हमारी सरकार ने इसीलिए चांदी कि आयात पर शुल्क बढ़ा दिया । यानी आम कि आम और गुठलियों कि दाम जैसी है चांदी। हम सनातनी हिन्दू मुसलमानों की दुकानों से खाने-पीने की चीजें खरीदें या न खरीदें लेकिन चांदी जरूर खरीद लेते है। आप ये जानकर हैरान होंगे कि भारत का अपने मुक्त व्यापार समझौता) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में 210 प्रतिशत बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो चुका है। जबकि ये इस्लामिक देश है।

चांदी सोने कि मुकाबले में झाँकने में भी आगे है और उछलने में भी। सोने कि कंगन ही खनकते हैं। वे उछल नहीं सकते,लेकिनचांदी जेवर ही नहीं बल्कि खुद चांदी सोने कि मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा उछल सकती है । उछल रही है । सोना 20 फीसदी उछला तो चांदी 30 फीसदी उछल गयी।

आप यदि न चौंके तो आपको बता दू कि भारत में भले ही 85 करोड़ लोग सरकार कि पांच किलो अनाज पर आने वाले 2028 तक निर्भर रहेंगे लेकिन चांदी को लेकर भारत की दरियादिली कम होने का नाम नहीं लेती । आप मेरी मानें या न मानें किन्तु जीटीआरआई की रिपोर्ट को तो सच मान लीजिये। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है. सीईपीए पर फरवरी 2022 में हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। अब ये आपके ऊपर है की आप आने वाले दिनों में अपनी बचत बैंकों में जमा करें या उसे चांदी में निवेशित करें। आप चांदी के जूते भी बनवा कर रख सकते है। वक्त जरूरत काम आ सकते है। भूलिए मत कि-चंदू के चाचा ने, चंदू की चाची को, चांदनी रात में, चांदी के चम्मच से चटनी चटाई थी।

संपादकीय

कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

माता तुलसी के पूजन के अनेक लाभ

(लेखक- संजय गोस्वामी)

ब्रह्माजी कहते हैं-'कार्तिक मास में जो भक्त प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व स्नान कर पवित्र होकर कोमल तुलसी दल से भगवान् दामोदर की पूजा करते हैं, वह निश्चय ही मोक्ष पाते हैं।

पूर्वकाल में भक्त विष्णुदास भक्ति पूर्वक तुलसी पूजन से शीघ्र ही भगवान् के धाम को चला गया और राजा चोल उसकी तुलना में गौण हो गए। तुलसी से भगवान् की पूजा, पाप का नाश और पुण्य की वृद्धि करने वाली है। अपनी लगाई हुई तुलसी जितना ही अपने मूल का विस्तार करती है, उतने ही सहस्रयुगों तक मनुष्य ब्रह्मलोक में प्रतिष्ठित रहता है। यदि कोई तुलसी संयुक्त जल में स्नान करता है तो वह पापमुक्त हो आनन्द का अनुभव करता है।

जिसके घर में तुलसी का पौधा विद्यमान है, उसका घर तीर्थ के समान है, वहाँ यमराज के दूत नहीं जाते। जो मनुष्य तुलसी काष्ठ संयुक्त कण्ठी धारण करता है, क्रियामाण पाप उसके शरीर का स्पर्श नहीं करते।

जहाँ तुलसी वन की छाया हो वहीं पर पितरों की तृप्ति के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिसके कान में, मुख में और मस्तक पर तुलसी का पत्ता दिखाई देता है, उसके ऊपर यमराज दृष्टि नहीं डाल सकते।

प्राचीन काल में हरिमेधा और सुमेधा नामक दो ब्राह्मण थे। वह जाते-जाते किसी दुर्गम वन में परिश्रम से व्याकुल हो गए, वहाँ उन्होंने एक स्थान पर तुलसी दल देखा। सुमेधा ने तुलसी का महान् वन देखकर उसकी परिक्रमा की और भक्ति पूर्वक प्रणाम किया। यह देख हरिमेधा ने पूछा-'तुमने अन्य सभी देवताओं व तीर्थ-व्रतों के रहते तुलसी वन को प्रणाम क्यों किया ?'

सुमेधा ने बताया-'प्राचीन काल में जब दुर्वासा के शाप से इन्द्र का ऐश्वर्य छिन गया तब देवताओं और असुरों ने मिलकर समुद्र मन्थन किया तो धनवन्तरि रूप भगवान् श्रीहरि और दिव्य औषधियाँ प्रकट हुईं।

उन दिव्य औषधियों में मण्डलाकार तुलसी उत्पन्न हुई, जिसे ब्रह्मा आदि देवताओं ने श्रीहरि को समर्पित किया और भगवान् ने उसे ग्रहण कर लिया। भगवान् नारायण संसार के रक्षक और तुलसी उनकी प्रियतमा है। इसलिए मैंने उन्हें प्रणाम किया है।'

सुमेधा इस प्रकार कह ही रहे थे कि सूर्य के समान अत्यन्त तेजस्वी विशाल विमान उनके निकट उतरा। उन दोनों के समक्ष वहाँ एक बरगद का वृक्ष गिर पड़ा और उसमें से दो दिव्य पुरुष प्रकट हुए।

उन दोनों ने हरिमेधा और सुमेधा को प्रणाम किया। दोनों ब्राह्मणों ने उनसे पूछा कि आप कौन हैं ? तब उनमें से जो बड़ा था वह बोला, मेरा नाम आस्तिक है। एक दिन मैं नन्दन वन में पर्वत पर क्रीड़ा करने गया था तो देवाङ्गनाओं ने मेरे साथ इच्छानुसार विहार किया। उस समय उन युवतियों के हार के मोती टूटकर तपस्या करते हुए लोमेश ऋषि पर गिर पड़े। यह देखकर मुनि को क्रोध आया। उन्होंने सोचा कि स्त्रियाँ तो परतन्त्र होती हैं। अत- यह उनका अपराध नहीं, दुराचारी आस्तिक ही शाप के योग्य है। ऐसा सोचकर उन्होंने मुझे शापित किया।

लोमेशजी ने कहा-'अरे तू ब्रह्म राक्षस होकर बरगद के पेड़ पर निवास कर।' जब मैंने विनती से उन्हें प्रसन्न किया तो उन्होंने शाप से मुक्ति की विधि सुनिश्चित कर दी कि जब तू किसी ब्राह्मण के मुख से तुलसी दल की महिमा सुनेगा तो तत्काल तुझे उत्तम मोक्ष प्राप्त होगा। इस प्रकार मुक्ति का शाप पाकर मैं चिरकाल से इस वट वृक्ष पर निवास कर रहा था। आज दैववश आपके दर्शन से मेरा छुटकारा हुआ है। तत्पश्चात् वे दोनों श्रेष्ठ ब्राह्मण परस्पर पुण्यमयी तुलसी की प्रशंसा करते हुए तीर्थ यात्रा को चल दिए। इसलिए भगवान् विष्णु को प्रसन्नता देने वाले इस कार्तिक मास में तुलसी की पूजा अवश्य करनी चाहिए ऐसे सिर्फ कार्तिक मास में ही नहीं हर दिन पूजन करने से आपके चारों ओर सकारात्मक शक्ति का वाश होता है वैज्ञानिक रूप से इसके पौधे से हानिकारक कीटाणु मरते है ओर उनके पत्ते में एंटीबायोटिक गुण है जो अनेक रोगों को ख़त्म करता है।

(चिंतन-मनन)

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे। एक कृषक को उपदेश सुनने की बड़ी इच्छा हुई लेकिन उसी दिन उसका बैल खो गया था। इसलिए वह महात्मा बुद्ध के चरण छू कर सभा से वापस बैल ढूंढने चला गया। शाम होने पर कृषक बैल ढूंढ़कर वापस लौटा तो देखा कि बुद्ध अब भी सभा को संबोधित कर रहे हैं। भूखा प्यासा किसान फिर से बुद्ध के चरण छूकर प्रवचन सुनने बैठ गया। बुद्ध ने किसान की हालत देखी तो उसे भोजन कराया, फिर उपदेश देना शुरू किया। बुद्ध का यह व्यवहार बताता है कि महात्मा बुद्ध अहंकार पर विजय प्राप्त कर चुके थे। बुद्ध के अंदर अहंकार होता तो किसान पर नाराज होते क्योंकि बैल को ढूंढ़ने के लिए किसान ने बुद्ध के प्रवचन को छोड़ दिया था। अहंकार को नाश का कारण बताया गया है इसलिए मनुष्य को कभी भी किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए।

विचार मंथन

पाकिस्तान के रास्ते हजारों करोड रुपए की ड्रग्स तस्करी ढाई साल में 40000 तस्कर गिरफ्तार

(लेखक-सनत जैन)

पंजाब पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पिछले ढाई साल में पंजाब में 2546 किलो हेरोइन 2457 किलो अफीम 1156 किलो पोस्ता 42.99 मिलियन नशे की टैबलेट कैप्सूल और इंजेक्शन जप्त किए गए हैं। पंजाब पुलिस के अनुसार 39840 तस्करों को पिछले ढाई वर्षो में गिरफ्तार किया गया है। पंजाब पुलिस ने लगभग 31 करोड़ रुपए की नगदी जप्त की है। पंजाब पुलिस के साथ एनआईए की टीम ने खालिस्तान और पाकिस्तानी तस्करों की मिलीभगत और उनके बीच के कनेक्शन का पता लगाया है। पंजाब की सीमा में बीएसएफ के जवान तैनात हैं केंद्र में बड़ी ताकतवर मोदी सरकार है सुरक्षा व्यवस्था के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं उसके बाद भी ड्रोन से नशीले पदार्थों की तस्करी पंजाब में निर्वाध रूप से जारी है। बीएसएफ के जवानों ने पिछले 4 साल में पाकिस्तान की ओर से आ रहे। 391 ड्रोन को पकड़ने में सफलता भी अर्जित की है। लेकिन यह सारे प्रयास विफल होते हुए, नजर आ रहे हैं। पंजाब के रास्ते अन्य प्रांतो में नशीले पदार्थों की तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के रास्ते नशीले पदार्थों का कारोबार अब स्कूल और कॉलेजों तक पहुंच गया है। 2024 में ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 2400 किलोग्राम से ज्यादा हेरोइन और गांजा की जप्ती हुई है। पंजाब के सुरक्षा बलों की माने तो तस्करी के जरिए जो नशीले पदार्थ पाकिस्तान के रास्ते आ रहे हैं। उसमें केवल 10 फ़ीसदी की ही जप्ती हुई है। 90 फ़ीसदी नशीले पदार्थ पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के रास्ते तस्करों द्वारा प्रतिमाह हजारों करोड़ रुपए का कारोबार किया जा रहा है। पाक के नरोवाल पंजाब के गुरदासपुर जिले से लगा हुआ है। पाकिस्तान का फिरोजपुर, सियालकोट और बहावलपुर पंजाब की सीमा से सटे हुए हैं। सबसे ज्यादा ड्रोन के जरिए इन इलाकों से तस्करी हो रही है। आधुनिकतम ड्रोन जो ज्यादा दूरी तक उड़ान भर सकते हैं। उसके माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी बड़े पैमाने पर हो रही है इसके अलावा भारत में गुजरात के जरिए समुद्री मार्ग से हर साल हजारों टन नशीले पदार्थों की तस्करी सुनियोजित रूप से हो रही है। इसकी जानकारी केंद्र सरकार को भलीभांति है। इसके बाद भी देश में नशीले पदार्थों का कारोबार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है। तस्करी के इस कारोबार में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बीएसएफ के जवान पुलिस के जवान, नारकोटिक्स विभाग के अधिकारी, राजनेता, अलगाववादी संगठन भी इस कारोबार में शामिल हैं। इस कारोबार में बहुत पैसा है। तस्करी और नशीले पदार्थों के ट्रांसपोर्टेशन में बड़े-बड़े गिरोह शामिल हैं। बराबरी से इसका पैसा सभी लोगों के पास पहुंचता है। जिसके कारण बेखोफ भारत में नशीले पदार्थों की तस्करी का व्यापार बढ़ता ही जा रहा है। पंजाब को पहले उड़ता हुआ पंजाब कहा गया था। यहां के युवाओं को नशे की लत लग गई थी। ड्रग्स के कारोबारियों ने अब यह कारोबार अन्य प्रांतों में भी बड़ी तेजी के साथ फैला दिया है। नशे का कारोबार पिछले 10 वर्षों में गांव गांव तक फैल चुका है। नशे के कारोबार से अब राजनीतिक गतिविधियां भी संचालित होने लगी हैं। यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है। पिछले 10 वर्ष से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत पूर्ण बहुमत की सरकार है। कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें पहले भी थी, और अभी भी हैं। इसके बाद भी जिस तेजी के साथ भारत में नशीले पदार्थों का कारोबार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। युवा पीढ़ी इसका शिकार हो रही है। यदि इसे पिछले 10 वर्षों में नियंत्रित नहीं किया जा सक है, तो आगे क्या होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। सरकार ने नशे के कारोबार को रोकने के लिए बड़े-बड़े सुरक्षा के इंतजाम किए। समय-समय पर बड़े-बड़े दावे भी किए जाते हैं। लेकिन जो खबरें निकाल कर आती हैं। उसमें नशे के कारोबार में लगे छोटे-मोटे सप्लायर जो नशा करने वालों को नशा की सप्लाई करते हैं। उन्हें पकड़ कर राज्यों की पुलिस और नारकोटिक्स विभाग बाह-बाही लूटता है। जमीनी स्तर पर कारोबार पर नियंत्रण लगने के स्थान पर बढ़ता ही जा रहा है। ऐसा क्यों हो रहा है। इसको लेकर किसी की भी जवाबदेही तय नहीं है। जिसके कारण नशे के कारोबार की बेतरणी में जिसको मौका मिलता है। वही डुबकी मार लेता है। अभी तक पंजाब के रास्ते नशीली पदार्थ का कारोबार पाकिस्तान के रास्ते बड़े पैमाने पर हो रहा था। लेकिन अब इसके पैरेलल गुजरात भी खड़ा हो गया है। गुजरात के समुद्री मार्ग से बड़े सुरक्षित और सुनयोजित तरीके से ड्रग्स का कारोबार भारत में बढ़ रहा है। गुजरात ने अभी तक के सारे रिकॉर्ड को तोड़ने का काम किया है। राजनीतिक और कारोबारी संरक्षण में ड्रग्स का जो कारोबार हो रहा है। उसको लेकर सामाजिक व्यवस्था भी छिन्न भिन्न होने लगी है। नशे के शिकार युवा नशे के लिए घर में चोरी करने लगे हैं। अपराध करने से भी नहीं हिचकिचा रहे हैं। कॉलेज और हॉस्टल के माध्यम से अब युवातियाँ भी बड़े पैमाने पर नशे का शिकार हो रही है। इस कारण दिनों दिन अपराध बढ़ रहे हैं। ड्रग्स के कारोबार को सख्ती के साथ नियंत्रित करने की जरूरत है। समय रहते इसे रोका नहीं किया गया, तो देश को इसके भारी दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

फिल्म मेंकिंग में चमकता भविष्य

सिनेमा को इस समय की उत्कृष्ट कलाओं में शुमार किया जाता है। इसका प्रभाव क्षेत्र बहुत विशाल है। आज सिनेमा सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव के वाहक के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। इसके पास लोगों को बदलने की जबरदस्त ताकत होती है।

फिल्म मेकिंग एक चित्र द्वारा कहानी कहने की कला है। फिल्म मेकिंग में अक्सर देखा जाता है बिना प्रशिक्षण के भी लोग बेहतर काम कर रहे हैं। टाइटैनिक जैसी महान फिल्म बनाने वाले जेम्स कैमरून कभी फिल्म स्कूल में नहीं गए। भारत में आजकल के फिल्म निर्देशकों में इम्तियाज अली ने फिल्म बनाने का कोई प्रशिक्षण नहीं लिया, पेशे से वे एक फैशन डिजाइनर थे। मधुर भंडारकर वीडियो लाइब्रेरी चलाते थे। बोमन ईरानी ने अभिनय का कोई प्रशिक्षण नहीं लिया। वह चेन्नई में एक फोटोग्राफर थे। 42 साल की उम्र में उन्होंने अपने फिल्मी कॅरियर की शुरुआत की

थी। फिल्म बनाना एक कला है। इसका प्रशिक्षण अगर आपके पास है तो आपका तकनीकी पक्ष बहुत मजबूत हो सकता है। लेकिन कहानी को मजेदार ढंग से सुनाना, यह आपको कोई नहीं सिखा सकता। कॅरियर के लिहाज से फिल्मी दुनिया में काफी संभावनाएं मौजूद हैं।

क्या है फिल्म मेकिंग

एक कैमरा होता है, जिससे फिल्म शूट होती हैं। फिल्म मेकिंग में क्रिएट होती है, चरित्र होते हैं, एक कहानी होती है, हर कहानी की एक भाषा होती है, फिल्म का अपना देश-काल होता है, दृश्य होते हैं, ध्वनियों का दृश्यों के साथ मिलान होता है, स्पेशल इफेक्ट्स होते हैं और गीत-संगीत होता है। फिल्मों में क्रिएटिविटी और टेक्नोलॉजी का अनोखा मेल होता है। आज फिल्मों में नई-नई तकनीकों का प्रयोग किया जा रहा है। आज की इंडस्ट्री में फिल्मों के कई प्रकार हैं, जैसे डिजिटल फिल्म, 3डी फिल्म आदि। हर एक फिल्म को रिलीज होने से पहले उसे परखा जाता है। इसके बाद दर्शक उसका फीडबैक देते हैं। फिल्मों के साथ एक खास बात होती है, संचार के विभिन्न माध्यमों की तरह फीडबैक हमेशा फिल्म की गुणवत्ता को तय नहीं करता है।

योग्यता

फिल्म मेकिंग में ज्यादातर पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स पढ़ाए जाते हैं। बैचलर स्तर पर भी कई संस्थान कोर्स कराते हैं। बैचलर कोर्स में दाखिला लेने के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं है। वहीं, पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स के लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ ग्रेजुएट की डिग्री होना जरूरी है। साउंड एडिटिंग और कुछ अन्य तकनीकी कोर्सों में दाखिले के लिए साइंस बैकग्राउंड से ग्रेजुएट होना चाहिए।

आय

इस क्षेत्र में अलग अलग काम के लिए अलग- अलग वेतन मिलता है। शुरुआती स्तर पर फिल्म से जुड़े किसी भी काम में वेतन 15 से 20 हजार रुपये होता है। इस क्षेत्र में एक बार अगर यदि आप स्थापित हो गए, तो फिर आय की कोई सीमा नहीं रहती।

उपलब्ध कोर्स

- पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन सिनेमा
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन डायरेक्शन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन सिनेमेटोग्राफी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन साउंड रिकार्डिंग एंड साउंड डिजाइन
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एडिटिंग
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन आर्ट डायरेक्शन एंड प्रोडक्शन डिजाइन
- सर्टिफिकेट कोर्स इन स्क्रीनप्ले राइटिंग
- डिप्लोमा इन वीडियो प्रोडक्शन
- बैचलर ऑफ फिल्म टेक्नोलॉजी आदि

उपलब्ध संस्थान

- फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), पुणे
- सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, कोलकाता
- व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल, मुंबई
- एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नोएडा
- एसआरएम शिवाजी गणेशन फिल्म इंस्टीट्यूट, चेन्नई
- जी इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया आर्ट्स, मुंबई

यहां हैं अवसर

स्क्रीनप्ले

स्क्रीनप्ले आइडिया और कहानी के विकास के बाद का चरण है। इसके आधार पर फिल्म का फिल्मांकन किया जाता है। पटकथा लेखक/निर्देशक द्वारा कहानी की पटकथा तैयार की जाती है। दरअसल पटकथा एक नहीं, अनेक होती हैं जिसमें कैमरा पर्सन और अभिनेताओं समेत सभी जरूरी लोगों के लिए आवश्यकता के अनुरूप पटकथाएं तैयार की जाती हैं। बॉलीवुड में पटकथा लिखने के बजाए या फिर उस पर हू-ब-हू चलाने के बजाय वह लगातार बदलती रहती है। पटकथा की तैयारी के साथ-साथ डॉयलाग राइटर का आगमन होता है तथा निर्देशक की सलाह से दृश्यों का ध्वनि का मिलान करना तथा इससे जरूरी काट-छांट संभव हो पाता है। पटकथा में स्पेसिफिक्स यानी समय, लोकेशंस और सिचुएशन की सूचना अंग्रेजी में लिखी जाती है।

निर्देशन

फिल्मों में निर्देशन करना एक मल्टीटास्किंग काम है। फिल्म की पटकथा से लेकर संवादों की प्रस्तुति और कैमरे के संयोजन तक का काम एक निर्देशक को करना होता है। बॉलीवुड में पटकथा लेखन, संवाद लेखन और निर्देशन एक व्यक्ति द्वारा ही करने का चलन है। फिल्म निर्देशन में कॅरियर बनाने के लिए डिग्री के साथ फिल्मों की सभी विधा में कौशल हासिल करना होता है।

सिनेमेटोग्राफी

फिल्म के शॉट से जुड़ा हुआ काम सिनेमेटोग्राफी कहलाता है। सिनेमेटोग्राफी में मौलिक रूप से तीन शॉट और दो मूवमेंट होते हैं। शॉट क्लोज अप, मिड और लॉन्ग होता है, जबकि मूवमेंट पैन और टिल्ट। ये शॉट और मूवमेंट फिल्म का व्याकरण होते हैं। अर्थ को पैदा करने में इनकी गहरी भूमिका होती है। सिनेमेटोग्राफर का प्रोफेशनल कोर्स एफटीआईआई समेत कई प्रतिष्ठित संस्थानों में कराया जाता है। वहां से डिग्री लेकर आप अपने कॅरियर को एक नया मुकाम दे सकते हैं।

संगीत

संगीत में विभिन्न प्रकार के लोगों का संयोजन होता है। फिल्म संगीत में गीतकार, संगीतकार या संगीत निर्देशक, गायक, रिकॉडिस्ट (साउंड मैनेजर), साउंड एडिटर की मुख्य भूमिका होती है। इन सभी के बेहतर संयोजन से गाना बनता है। पहले संगीतकार या संगीत निर्देशक आर्केस्ट्रा के साथ गायक को रिकॉर्ड करते थे, लेकिन अब यह प्रक्रिया पूरी तरह बदल चुकी है। अब गायक रॉ सांग (कच्चा गाना) गा देते हैं, संगीत रिकॉडिस्ट, संगीतकार/ संगीत निर्देशक और साउंड एडिटर मिलकर गाने को कंपोज करते हैं। इस क्षेत्र में क्रिएटिव और मल्टीटैलेंटेड लोगों की काफी मांग है।

कोरियोग्राफी

कोरियोग्राफी का बॉलीवुड फिल्मों में विशेष महत्व है। पारंपरिक तौर विभिन्न प्रकार के शास्त्रीय नृत्य में निपुण लोग फिल्मों के कोरियोग्राफर होते थे लेकिन फिल्मों में पाश्चात्य नृत्य कला, एरोबिक आदि के आने के बाद इसके स्वरूप में विस्तार हुआ है। आजकल विभिन्न प्रकार की नृत्य शैलियों का एक साथ संयोजन करने वाले कलाकार इसमें सफल हो रहे हैं। इस क्षेत्र में हमेशा कुछ नया करने की चुनौती बनी रहती है।

वीडियो एडिटिंग

वीडियो एडिटिंग मल्टीमीडिया से जुड़ा काम है । आजकल साइंस फिक्शन फिल्मों, कार्टून फिल्में का चलन बढ़ा है। इसने वीडियो एडिटिंग में ग्रफिक डिजाइनिंग, कार्टूनिस्ट, आर्ट डायरेक्शन जैसे पहलुओं को जोड़ने का काम किया है। अब तो बिना कास्ट के कार्टून के सहारे फिल्मों को बनाने का भी प्रचलन बढ़ा है। इस क्षेत्र में भी मल्टीटैलेंटेड और क्रिएटिव लोगों की काफी मांग है। मल्टीमीडिया और वीडियो एडिटिंग में प्रशिक्षण लेकर आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं।

बैकग्राउंड साउंड

बैकग्राउंड साउंड और डबिंग बैकग्राउंड स्कोर के ही हिस्से हैं। फिल्मों के प्रोमो में कई बार बैकग्राउंड स्कोर दिखता है। यह विशुद्ध रूप से फिल्म एडिटिंग का हिस्सा होता है। पार्श्व ध्वनियों, संवादों और विभिन्न प्रकार के ध्वनि प्रभावों को जोड़ने का काम डबिंग कहलाता है। संवादों को डब अभिनेता अभिनेत्री या वॉइस ओवर आर्टिस्ट से कराया जाता है। डबिंग और बैकग्राउंड स्कोर के बाद फिल्म का जो प्रिंट तैयार होता है, उसे मैरिड प्रिंट कहा जाता है। फिल्मों में बैंकग्राउंड स्कोरर, डबिंग या वॉइस ओवर आर्टिस्ट के रूप में आप रोजगार पा सकते हैं।

वितरण और प्रमोशन

भारत में फिल्में बिना देखे ही बिकती हैं। ऐसा दुनिया भर की किसी इंडस्ट्री में नहीं होता है। फिल्मों की बिक्री सिनोप्सिस और कास्टिंग के आधार पर होती है । फिल्म फाइनेंसर (प्रोड्यूसर) और वितरक इन उपरोक्त बातों पर विचार करने के बाद तय करते हैं कि फिल्म में कितने गीत दृश्य होंगे। इन दोनों की भूमिका कई बार निर्देशक की परिकल्पना को भी प्रभावित करने लगती है। अभिनेताओं के चयन में हेर-फेर भी इनके चलते कई बार करना पड़ता है। फिल्मों के निर्माण के बाद दूसरा बड़ा खर्च इनके प्रमोशन पर होता है। फिल्मों का प्रमोशन एक प्रकार से फिल्मों का विज्ञापन होता है। प्रमोशन के लिए विज्ञापित होने वाले विज्ञापन को फिल्म का प्रोमो कहा जाता है। वितरण और प्रमोशन के काम के लिए बहुत पैसों का जरूरत होती है। साथ ही इस काम में रिस्क भी बहुत होता है। यह एक तरह व्यवसाय है। अगर आपको फिल्मों के अर्थशास्त्र की बेहतर समझ है तो फिल्म स्ट्रेटजिस्ट, काउंसलर, एनालिस्ट के रूप में कॅरियर बना सकते हैं।

फिल्म समीक्षा

समीक्षा में सबसे पहले फिल्म की कहानी को संक्षेप मे बताया जाता है। इससे दर्शक की फिल्म संबंधी मूल जिज्ञासा शांत होती है। यह कुछ उसी तरह है, जैसे आप किसी अजनबी से पहली बार मिलने पर नाम पूछने के बाद ही उसे बात शुरू करते हैं। फिल्मों को बनाने में तकनीक और कल्पना का योग रहता है। फिल्म समीक्षा में फिल्म की निर्माण संबंधी जानकारी दी जाती है। फिल्म समीक्षक के रूप में आपको प्रोडक्शन कंपनी, मीडिया संस्थानों में नौकरी मिल सकती है।

अगर आप भी तकनीकी जगत में काफी सोशल हों और सोशल मीडिया के प्रति आपका लगाव जबरदस्त हो तो आप इस क्षेत्र में कॅरियर संवार सकते हैं। कंपनियां आज 'सोशल मीडिया स्पेशलिस्ट' हायर कर रही हैं, जो सोशल साइट पर प्रोडक्ट की लॉन्चिंग, कंज्यूमर के साथ कम्यूनिकेट और रिसर्च जैसा काम कर सके।

सोशल मीडिया के जुनून को बनाएं अपना भविष्य

आज विश्व की कुल जनसंख्या के लगभग 50 प्रतिशत लोग 30 साल से कम उम्र के हैं, जिनमें से अधिकांश प्रतिदिन अपना कीमती वक्त सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर बिताते हैं।

लिंक्डइन है विकल्प

लिंक्डइन पर मौजूद 50 लाख से ज्यादा यूजर ने अपने प्रोफाइल में खुद को सोशल मीडिया का एक्सपर्ट बताया है, जबकि 2010 से अब तक सोशल मीडिया से जुड़े जॉब में जबरदस्त वृद्धि हुई है। इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि इस दिशा में कॅरियर और जॉब्स की कितनी संभावनाएं हैं।

कौन होता है सोशल मीडिया मैनेजर

एक सोशल मीडिया मैनेजर टू वे कम्युनिकेशन का काम करता है। वह इसके लिए सही चैनल तलाशता है, फिर अपने प्रोडक्ट को अर्थपूर्ण योजना के साथ लोगों के सामने पेश करता है। सोशल मीडिया मैनेजर न्यू मीडिया के तहत आता है। यह वेब जर्नलिज्म से ही जुड़ा है। सोशल मीडिया मैनेजर का काम कम शब्दों में प्रभावी ढंग से किसी ब्रांड को प्रस्तुत कर इंटरनेट यूजर को ब्रांड वैल्यू के प्रति आकर्षित करना है। बात इतने पर ही खत्म नहीं हो जाती। सोशल मीडिया मैनेजर ब्रांड के क्राइसिस सॉल्यूशन को भी बेहतर ढंग से सुलझाने में मददगार है यानी सोशल मीडिया मैनेजर का काम कस्टमर एवं क्लाइंट के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है।

सोशल मीडिया स्ट्रेटेजिस्ट

इसका काम सोशल मीडिया के उस प्रोग्राम का इस्तेमाल करना है, जिसके माध्यम से मार्केटिंग कैंपेन को ज्यादा प्रभावी बनाया जा सके। इसका काम वेबसाइट ट्रैफिक को भी मॉनीटर करना होता है ताकि वह सोशल मीडिया कैंपेन की सफलता को देख सके। इसके अलावा कंपनी का सोशल मीडिया अकाउंट भी इसी को हैंडिल करना होता है।

सोशल मीडिया सेल्स रिप्रेजेंटेटिव

इसका काम तमाम क्लाइंट्स को इस बात के लिए तैयार करना कि वो अपने प्रोडक्ट का प्रमोशन और विज्ञापन सोशल मीडिया के माध्यम से करें। इसका अर्थ ये हुआ कि सोशल मीडिया मार्केटिंग के बिजनेस से जुड़ी कंपनियों में इनकी आवश्यकता होती है। यही उनके लिए रेवेन्यू लाने का काम करते हैं। इनको अपने क्लाइंट्स को इस बात के लिए भी राजी करना होता है कि सोशल मीडिया पर मार्केटिंग और विज्ञापन करने से उनकी बिक्री में कितना असर पड़ा या कितने लोगों ने उनके ब्रांड को सोशल मीडिया के प्रमोशन से पहचाना है।

बनें तकनीक फ्रेंड्ली

देश-दुनिया में अभी सोशल मीडिया के क्षेत्र में तीन तरह की नौकरियां मिलती हैं। इन तीनों ही तरह की नौकरियों के लिए आपमें अलग तरह की योग्यता और खास क्षमताएं होनी जरूरी हैं। खासतौर पर आप फेसबुक और ट्विटर जैसी साइट पर अच्छे से काम कर सकते हों ताकि जिस कंपनी के लिए काम करने जाएं वहां की ब्रॉन्ड प्रमोशन, प्रोडक्ट लांच आदि काम को अच्छे से कर सकें। चूंकि यह क्षेत्र काफी नया है, इसलिए इससे संबंधित पढ़ाई बहुत कम संस्थान ही करा रहे हैं। आइए जानते हैं किस पोस्ट के हिसाब से क्या शैक्षिक योग्यता जरूरी है।

कोर्स भी चला रहे संस्थान

सोशल मीडिया के क्षेत्र में नौकरियों की बढ़ती मांग को देखते हुए बहुत से संस्थानों ने इसके लिए बाकायदा अलग से कोर्स भी शुरू किए हैं। हाल में इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने वैट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर इंडिया का पहला सोशल मीडिया कोर्स शुरू किया है। किसी भी सोशल नेटवर्किंग साइट पर किसी ब्रांड की प्रस्तुति सोशल मीडिया यूजर के दिमाग पर पॉजिटिव एवं नेगेटिव, दोनों ही प्रभाव छोड़ सकती है। ऐसे में किसी ब्रांड के पॉजिटिव प्रभाव के लिए सही प्रस्तुति अहम होती है, जिसे सही तरीके से उस साइट पर एक निपुण व अनुभवी सोशल मीडिया मैनेजर ही प्रस्तुत कर सकता है।

आईआईएम और आईएसबी भी हैं

मार्केट में सोशल मीडिया स्पेशलिस्ट की बढ़ती डिमांड को देखते हुए ही आईआईएम और आईएसबी जैसे बिजनेस स्कूल सोशल मीडिया पर कोर्स तैयार कर रही है। वहीं एनआईआईटी एम्पेरिया ने सोशल मीडिया मार्केटिंग पर एडवांस्ड प्रोग्राम की शुरुआत की है।

आपको तलाशता है ब्रांड

फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब जैसी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का नाम हर किसी के जेहन में रहता है। इसके अलावा लिंक्डइन को व्यावसायिक दृष्टि से बेहतर माना जाता है। आप इनमें से किसी भी साइट पर जाएंगे तो अधिकांश ब्रांड दिख जाएंगे। सोशल साइट्स पर कंपनियां एवं ब्रांड्स इन ब्रांड्स का प्रभावी एवं औपचारिक तरीकों से जिस तरह प्रमोशन कर रही हैं, उनके पीछे सोशल मीडिया मैनेजर का ही सबसे अहम रोल होता है।

कहां-कहां नौकरी के लिए हैं मौके

सोशल मीडिया का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ा है, उसी तेजी से इसके विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ रही है। कई ऐसे नए कॅरियर विकसित हो गए हैं, जिनसे बड़े स्तर पर लोग अभी भी अनजान हैं। सोशल मीडिया में विशेषज्ञता रखने वाले कर्मियों के लिए गूगल, फेसबुक, लिंक्डइन व ट्विटर के अलावा विभिन्न मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों और आईटी क्षेत्र में काम करने के अच्छे मौके हैं।

अगले साल आएगा टाटा संस का आईपीओ

- आरबीआई ने लिस्टिंग छूट देने से किया इनकार

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने टाटा समूह का प्रस्ताव अस्वीकृत कर दिया है, जिसके तहत टाटा संस को शेयर बाजार में लिस्टिंग से छूट देने का अनुरोध किया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार आरबीआई ने इस प्रस्ताव को नहीं माना, जिसका मतलब है कि टाटा संस को अब सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना पड़ेगा। इस खबर के बाद टाटा केमिकल्स के शेयरों में 14 फीसदी तक की तेजी आई, जबकि बीएसई पर टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 9.5 फीसदी का उछाल देखा गया। आरबीआई के नियमों के अनुसार अपर-लेयर एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत सभी संस्थाओं को सितंबर 2025 तक शेयर बाजार में लिस्ट होना अनिवार्य है। हालांकि, टाटा समूह ने इस विषय पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है लेकिन सूत्रों के अनुसार टाटा समूह टाटा संस को लिस्ट कराने के लिए अनिच्छुक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टाटा समूह टाटा संस की कर्ज स्थिति को पुनर्गठित करने के लिए उपाय कर रहा था। इसके लिए कंपनी कर्ज चुकाने या टाटा कैपिटल में अपनी हिस्सेदारी किसी अन्य संस्था को ट्रांसफर करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही थी। ऐसा करने से टाटा संस कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी और अपर-लेयर एनबीएफसी के रूप में डी-रजिस्टर कर सकती थी।

हुंदै मोटर इंडिया के शेयर ने एक फीसदी गिरावट के साथ की शुरुआत

नई दिल्ली । दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता हुंदै की भारतीय इकाई हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड का शेयर मंगलवार को 1,960 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 1,931 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 1.47 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। बाद में शेयर में कुछ सुधार हुआ और यह 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,968.80 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। शेयर में फिर से 0.74 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 1,945.40 रुपये पर कारोबार कर रहा था। एनएसई पर शेयर की शुरुआत 1.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,934 रुपये पर हुई। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार में 1,57,807.67 करोड़ रुपये रहा। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पेशकश के अंतिम दिन गुरुवार तक 2.37 गुना अभिदान मिला था। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) के 27,870 करोड़ के आईपीओ के लिए 1,865-1,960 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

अदाणी समूह ओरिएंट सीमेंट का 8,100 करोड़ में करेगा अधिग्रहण

नई दिल्ली । उद्योगपति गौतम अदाणी नीत अदाणी समूह ने अपने विस्तार अभियान के तहत सीके बिड़ला समूह की कंपनी ओरिएंट सीमेंट का 8,100 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर अधिग्रहण करने की मंगलवार को घोषणा की। अदाणी सीमेंट की सीमेंट व विनिर्माण सामग्री संबंधी कंपनी और विविधीकृत अदाणी समूह का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स ने 8,100 करोड़ रुपये के शेयर मूल्य पर ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड (ओसीएल) के अधिग्रहण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। संयुक्त बयान के अनुसार इसकी स्टेप डाउन इकाई अंबुजा अपने वर्तमान प्रवर्तकों तथा कुछ सार्वजनिक शेयरधारकों से ओसीएल के 46.8 प्रतिशत शेयर का अधिग्रहण करेगी। इसमें कहा गया, अधिग्रहण का पूरा वित्तपोषण आंतरिक स्रोतों से किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2025 में रियल जीडीपी 7.2 फीसदी बढ़ने का अनुमान: शक्तिकांत दास

बेहतर कृषि परिदृश्य और ग्रामीण मांग के कारण निजी उपभोग को लेकर बेहतर संभावनाएं हैं

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि देश में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रियल जीडीपी 7.2 प्रतिशत से बढ़ने की संभावना है। शक्तिकांत दास ने आरबीआई के मासिक बुलेटिन में कहा कि बेहतर कृषि परिदृश्य और ग्रामीण मांग के कारण निजी उपभोग को लेकर बेहतर संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। सेवाओं में निरंतर उछाल से शहरी मांग को भी समर्थन मिलेगा। केंद्र और राज्यों के सरकारी व्यय में बजट अनुमानों के अनुरूप तेजी आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता और कारोबारियों के आशावादी रहने, पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर और बैंकों और कंपनियों की हेल्दी बैलेंस शीट से निवेश गतिविधि को लाभ मिलेगा। इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, 2024-25 के लिए रियल जीडीपी वृद्धि 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें जीपीडी वृद्धि दूसरी तिमाही में 7.0 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 7.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 7.4 प्रतिशत रहेगी। आरबीआई के दस्तावेज के अनुसार 2025-26 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस बीच 2024-25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जिसमें यह दूसरी तिमाही में 4.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.8 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.2 प्रतिशत रहेगी। 2025-26 की पहली तिमाही के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा` कि खाद्य मूल्य गति में तेजी और प्रतिकूल आधार प्रभावों के कारण सितंबर महीने में सीपीआई प्रिंट को लेकर उछाल देखने को मिलेगा। यह 2023-24 में प्याज, आलू, चना दाल के उत्पादन में कमी का भी प्रभाव रहेगा। आरबीआई गवर्नर ने आगे कहा कि घरेलू विकास ने अपनी गति बनाए रखी है और

निजी खपत और निवेश में भी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विकास में लचीलापन हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने देता है।

जिसके साथ हमें मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत के उद्देश्य तक कम करने में मदद मिल रही है। मौजूदा मुद्रास्फीति और विकास की स्थितियों और दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, एमपीसी ने रुख को न्यूट्रल में बदला।

बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने किया वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों का ऐलान

मुंबई। प्रीसिजन इंजीनियरिंग एवं मैन्युफैक्चरिंग की प्रमुख कंपनी बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएफआईएल) ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अपने ऑडिटेड कॉन्सोलिडेटेड वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी. यह मंजूरी 21 अक्टूबर 2024 को हुई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में दी गई.

वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के कॉन्सोलिडेटेड फाइनेंशियल के हाईलाइट:

1. बीएफआईएल के राजस्व में सालाना आधार पर 60.1 फीसदी की शानदार वृद्धि आई. वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में परिचालन से राजस्व 2,228.7 मिलियन रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 1,392.2 मिलियन रुपये रहा था. 2. एबिटा में 116.5 फीसदी की तेजी आई. मार्जिन में 763 बीपीएस की बढ़ोतरी आई और यह वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही के 21.6 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 29.3 फीसदी पर पहुंच गया. 3. पीएटी में 106.9 फीसदी की तेजी आई. पीएटी मार्जिन में 489 बीपीएस का सुधार हुआ. यह वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही में 16.7 फीसदी था, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 21.6 फीसदी हो गया। बीएफआईएल के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर त्रिमान चंडोक ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के प्रदर्शन के बारे में कहा: "भारत में प्रीसिजन इंजीनियरिंग इंडस्ट्री वृद्धि के अगले चरण की दहलीज पर खड़ी है. उसे तेजी से हो रहे बदलाव का फायदा मिल रहा है, क्योंकि दुनिया भर में कंपनियां आपूर्ति श्रृंखला के जोखिम को कम करने के लिए चीन+1 की रणनीति अपना रही हैं.

मंगल को हुआ अमंगल.....बाजार में करीब 9 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

पीएसयू बैंक, मेटल और रियल्टी सेक्टर में भारी बिकवाली

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट दिखाई दी। सेंसेक्स और निफ्टी कारोबार के अंत में लाल निशान में बंद हुए। पीएसयू बैंक, मेटल और रियल्टी सेक्टर में भारी बिकवाली देखने को मिली। जिसके चलाते बाजार में गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में भारी गिरावट के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्टेड सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 9 लाख करोड़ रुपये कम होकर 445 लाख करोड़ रुपये रह गया है। सेंसेक्स कारोबार के अंत में 930.55 अंक की भारी गिरावट के बाद 81,151.27 पर बंद हुआ । वहीं, निफ्टी 309.00 अंक गिरने के बाद 24,472.10 पर बंद हुआ । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स कारोबार के अंत में 1503.65 अंक फिसलने के बाद 56,174.05 पर लाल निशान में बंद हुआ । निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 736.40 अंक गिर कर 18,061.00 पर बंद हुआ । निफ्टी बैंक 705.55 अंक की गिरावट के बाद 51,257.15 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार में निफ्टी के ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फिन सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक, इंफ्रा, कमोडिटी सेक्टर में बिकवाली देखने को मिली। बाजार का रुझान नकारात्मक रहा।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 576 शेयर्स हरे, 3,407 शेयर्स लाल निशान पर कारोबार कर रहे थे । वहीं, 75 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए । सेंसेक्स पैक में आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल को छोड़कर सभी बड़े शेयर लाल निशान पर कारोबार करते हुए बंद हुए हैं। निफ्टी पैक में बीएचईएल, कोल इंडिया, एम एंड एम, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, एसबीआई और हिंडाल्को में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। वहीं, इंफोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल में बढ़ोत्तरी दिखाई दी।

बाजार के जानकारों के अनुसार, मंगलवार को घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच मंदी का माहौल हावी रहा, जिसमें छोटे और मध्यम आकार के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। हाल ही में अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में हुई तेज वृद्धि से अमेरिकी फेड द्वारा दरों में आक्रामक कटौती की उम्मीद कम होने का संकेत मिलता है, जिससे ईएम में फंड प्रवाह भी प्रभावित हुआ है। अल्पावधि में आय वृद्धि के सुस्त रुझानों के कारण यह मंदी का दृष्टिकोण बना रह सकता है।

सरकार ने शुरू किया ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन पोर्टल

ई-श्रम पोर्टल में रोजाना लगभग 60,000 से 90,000 श्रमिक जुड़ रहे हैं

नई दिल्ली ।

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने 'ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन' पोर्टल की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सरल और निर्बाध पहुंच प्रदान करना है। इस पहल से श्रमिकों को सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने में आसानी होगी। इस कार्यक्रम के दौरान मांडविया ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल में रोजाना लगभग 60,000 से 90,000 श्रमिक जुड़ रहे हैं, जो इस प्रणाली पर बढ़ते भरोसे का संकेत है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम एकल खिड़की समाधान है, जो असंगठित श्रमिकों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक सीधी पहुंच प्रदान करेगा। मांडविया ने इस पोर्टल का प्राथमिक उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि यह असंगठित श्रमिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना और सरकारी कल्याण योजनाओं तक उनकी पहुंच को सुगम बनाना है। उन्होंने कहा कि यह मंच एक पुल के रूप में कार्य करेगा, जो श्रमिकों को सरकार द्वारा दिए जाने वाले विभिन्न लाभों से जोड़ेगा और पंजीकरण प्रक्रिया को आसान और अधिक पारदर्शी बनाएगा। मंत्री ने सभी असंगठित श्रमिकों से ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करने और उनके लाभ के लिए बनाई गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि एक राष्ट्र एक राशन कार्ड, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, राष्ट्रीय करियर सेवा, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन जैसी प्रमुख योजनाओं को ई-श्रम के साथ एकीकृत किया गया है, और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को भी शामिल करने का काम जारी है। श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया और बताया कि ई-श्रम वन स्टॉप सॉल्यूशन असंगठित श्रमिकों

को विभिन्न सरकारी योजनाओं तक पहुंचने में सुविधा प्रदान करेगा। इस पहल से न केवल श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा, बल्कि इससे असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे लाखों श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। मांडविया ने आशा व्यक्त की कि ई-श्रम पोर्टल की मदद से सरकार द्वारा किए जाने वाले प्रयासों का श्रमिकों को वास्तविक लाभ मिलेगा।

आईएनईएक्स में 15 से अधिक देशों के करीब 150 नवप्रवर्तक लेंगे हिस्सा

पणजी ।

दक्षिण गोवा में 13-15 नवंबर तक आयोजित होने वाले वार्षिक भारत अंतरराष्ट्रीय नवाचार व आविष्कार एक्सपो (आईएनईएक्स) 2024 में 15 से अधिक देशों के करीब 150 नवप्रवर्तकों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। गोवा राज्य नवाचार परिषद के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि आईएनईएक्स 2024 में 15 से अधिक देशों के करीब 150 नवप्रवर्तक हिस्सा लेंगे। वे दक्षिण गोवा के फतोर्दा में डॉन बॉस्को कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में अपने विभिन्न विषयों से जुड़े अत्याधुनिक आविष्कारों तथा अग्रणी समाधानों का प्रदर्शन करेंगे। इस आयोजन का मकसद आविष्कारकों को निवेशकों, उद्योग जगत के लोगों और शैक्षणिक संस्थानों से जोड़ना है। इसे गोवा राज्य नवाचार परिषद, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग तथा अपशिष्ट प्रबंधन, भारतीय नवप्रवर्तक संघ द्वारा आईबीएस ग्लोबल नामक पोलिश कंपनी के साथ साझेदारी में संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। आईबीएस ग्लोबल नवाचारों के वैश्विक व्यावसायीकरण में विशेषज्ञता रखती है।

वारी एनर्जी का आईपीओ निवेशकों के बीच जोरदार प्रतिक्रिया के साथ शुरू

टूट पड़े निवेशक, पहले दिन 3 गुना से ज्यादा सब्सक्रिप्शन

मुंबई ।

वारी एनर्जी का आईपीओ निवेशकों के बीच जोरदार प्रतिक्रिया के साथ शुरू हुआ, पहले ही दिन पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया। 21 अक्टूबर को कंपनी के आईपीओ को कुल 3.47 गुना सब्सक्रिप्शन मिला, जिसमें रिटेल श्रेणी में 3.34 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स श्रेणी में 8.22 गुना और क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स श्रेणी में भी 8.22 गुना सब्सक्रिप्शन देखा गया। दूसरे दिन भी इस आईपीओ पर निवेशक टूट पड़े है और अब तक अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इस आईपीओ का प्राइस बैंड 1427 रुपए से 1503 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 9 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 13,527 रुपए का दांव लगाना होगा। आईपीओ का साइज 4321.44 करोड़ रुपए का है। आईपीओ के जरिए वारी एनर्जी 2.4 करोड़ शेयर जारी करेगी। वहीं कंपनी 48 लाख शेयर ऑफर फार सेल के तहत जारी करेगी। वारी एनर्जी आईपीओ ग्रे मार्केट में काफी डिमांड में है। इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार आईपीओ आज 1500 रुपए के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जीएमपी के हिसाब से अगर देखें तो वारी एनर्जी आईपीओ पहले दिन ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर सकती है। वारी एनर्जी आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 18 अक्टूबर को खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 1276.93 करोड़ रुपये जुटाए थे। बता दें कि एंकर निवेशकों को जारी किए गए 50 प्रतिशत शेयरों का लॉक इन पीरियड महज 30 दिनों का है। वारी एनर्जी आईपीओ का नेट प्रॉफिट जून तिमाही के दौरान 401.13 करोड़ रुपए रहा था। जबकि इस दौरान कंपनी का रेवन्यू 3496.41 करोड़ रुपए का था। इससे पहले वित्त वर्ष 2024 के दौरान वारी एनर्जी का नेट प्रॉफिट 1274.38 करोड़ रुपए रहा था।

जोमैटो फाउंडर ने स्वास्थ्य पहल कांटिन्यू को निजी उद्यम बताया

- कंपनी चार मौजूदा व्यवसायों पर ही ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी

नई दिल्ली ।

खाद्य उत्पादों की आपूर्ति करने वाले ऑनलाइन मंच जोमैटो ने किसी नए क्षेत्र में प्रवेश करने से इनकार करते हुए कहा कि वह अपने चार मौजूदा व्यवसायों पर ही ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। जोमैटो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी द्वारा एक नई स्वास्थ्य और तंदरुस्ती फर्म कांटिन्यू का पंजीकरण कराने की खबरों के बीच यह स्पष्टीकरण जारी किया है। जोमैटो के प्रवक्ता ने कांटिन्यू के पंजीकरण पर कहा कि जोमैटो किसी नए क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर रही है और अपने चार व्यवसायों (खाद्य आपूर्ति, ब्लिंकिट, हाइपरप्योर और डिस्ट्रिक्ट) पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगी। अे धिकारी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि स्वास्थ्य और तंदरुस्ती पहल कांटिन्यू उनका व्यक्तिगत उद्यम है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि अभी तक कांटिन्यू मेरी व्यक्तिगत स्वास्थ्य और तंदरुस्ती टीम है जो पूरी तरह से मेरे द्वारा वित्तपोषित है। यह मुझे अपने शीर्ष स्तर के प्रदर्शन को बनाए रखने से संबंधित पहलुओं पर नजर रखती है और शोध करती है। उन्होंने कहा कि कांटिन्यू टीम के साथ समय बिताना उनके लिए जिम जाने जैसा है और इससे वे डॉक्टरों के

पास जाने से बच जाते हैं।

लैब ग्रोन डायमंड ने बदल दी हीरे की लाइन

अब सभी के लिए हर घर हीरा जैसी लाइनें सुनाई देने लगी है

नई दिल्ली ।

हीरे की मांग और कीमतों में गिरावट ने हीरा है सदा के लिए वाली लाइन को मंद कर दिया। रत्न एवं आभूषण उद्योग में अब हीरा है, सभी के लिए हर घर हीरा जैसी लाइनें जोर शोर से सुनाई देने लगी है। प्राकृतिक हीरों की जगह बाजार में लैब में तैयार किये जा रहे हीरों मांग तेजी से बढ़ी है। बढ़ती मांग की वजह से लैब डायमंड के शोरूम तेजी से खुल रहे हैं। प्राकृतिक हीरों जैसे दिखने वाले कम कीमत वाले ये हीरे ग्राहकों को आकर्षित भी कर रहे हैं। हर व्यक्ति के मन में यह इच्छा होती है कि वह डायमंड की ज्वेलरी पहने, लेकिन लेकिन हीरे की कीमतें अधिक होने के कारण ये आदमी की पहुंच से दूर बने हुए। हीरा पहने की आम आदमी की इच्छा लैब ग्रोन डायमंड पूरी कर रहे हैं। कुछ साल पहले तक बड़े आभूषण कारोबारी लैब ग्रोन हीरों को नकली हीरा बता कर इनसे दूरी बना रहे थे लेकिन अब ये हीरे उद्योग जगत के चहेते बन गए है। यही वजह से त्योहारी सीजन में लैब ग्रोन डायमंड से बने आभूषणों के शोरूम भी तेजी से खुल रहे हैं। चालू त्योहारी

सीजन में मुंबई और आस पास के इलाकों में करीब एक दर्जन लैब ग्रोन डायमंड आभूषण के शोरूम खुल गए हैं। धनतेरस और दीपावली त्यौहार को देखते हुए फायरफ्लाय ब्रांड घाटकोपर स्थित आर सिटी मॉल में अपना शोरुम खोला। कंपनी के अे धिकारी ने बताया है कि लैब ग्रोन डायमंड की क्वालिटी इतनी अच्छी है कि लैब ग्रोन डायमंड और नेचुरल डायमंड में कोई अंतर नहीं दिखाई देता। फायरफ्लाय ने लैब ग्रोन डायमंड की ज्वेलरी को प्रेशियस गोल्ड में बनाया गया है जो आम आदमी के बजट में आसानी से बैठ सकता है। सबसे बड़ी बात ग्राहकों को स्पष्ट पता होता है कि वह प्राकृतिक हीरा नहीं, लैब में तैयार किया गया हीरा खरीद रहे हैं जिससे लोगों में भरोसा होता है। आज बेहतरीन पैकिंग और नए आयडिया के साथ तैयार की गई ज्वेलरी युवाओं को पसंद आ रही है और वह बाजार को आगे ले जा रहे हैं।

टाटा ग्रुप और ऑक्सफोर्ड विवि बनाएंगे रतन टाटा के सम्मान में ऐतिहासिक इमारत

निर्माण 2025 की शुरुआत फरवरी-मार्च में शुरू होगा

नई दिल्ली ।

टाटा समूह और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के समरविले कॉलेज ने रतन टाटा के सम्मान में एक ऐतिहासिक इमारत के निर्माण के लिए सहयोग की घोषणा की। एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि इस इमारत का नाम रतन टाटा बिल्डिंग होगा। निर्माण 2025 की शुरुआत फरवरी-मार्च में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के नये रैडक्लिफ ऑब्जर्वेटरी क्वार्टर के केंद्र में शुरू होगा। बयान के अनुसार परमार्थ और मानवता की भलाई के लिए काम करने वाले टाटा के सम्मान में नई इमारत का नाम रखने का निर्णय कुछ समय पहले किया गया था। उनके निधन पर भारत और दुनिया भर में जिस रूप से संवेदना जतायी गई, यह कदम उन्हें श्रद्धांजलि देने को और भी अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि समरविले कॉलेज के साथ यह साझेदारी टाटा के मूल्यों के प्रति एक श्रद्धांजलि है। उनके नाम पर बनी इमारत भारत के लिए जरूरी शोध का केंद्र होगी। समरविले कॉलेज के प्रधानाचार्य बैरोनेस रॉयल ने कहा कि यह इमारत पिछले दशक में कई बातचीत, आशाओं और सपनों तथा टाटा के साथ हमारे लंबे सहयोग का फल है।' इमारत में नए सेमिनार कक्ष और कार्यालय होंगे। साथ ही साझा अध्ययन के लिए स्थान, स्वागत कक्ष और आने वाले शिक्षाविदों के लिए आवास भी होंगे।

दो नहीं तीन साल के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन बन सकते हैं जय शाह

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने अपने चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक का कार्यकाल दो साल के बजाय तीन साल करने की सिफारिश की है। आईसीसी के सदस्य देश अगर इन सिफारिश को मंजूर कर लेते हैं तो इसका मतलब होगा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह तीन साल के लिए विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था के चेयरमैन बनेंगे। शाह इस साल एक दिसंबर को आईसीसी के सर्वोच्च पद का कार्यभार संभालेंगे। आईसीसी बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद वह अपने दूसरे कार्यकाल में अगले तीन साल के लिए भी इस पद पर आसीन हो सकते हैं। शाह के पहले कार्यकाल का बड़ा हिस्सा बीसीसीआई में उनके अगले साल सितंबर में शुरू होने वाले तीन साल के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' के साथ चलेगा। आईसीसी बोर्ड की बैठक के दौरान महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए भी कुछ फैसले किए गए। वैश्विक संस्था ने महिला एसोसिएट सदस्य टी20 प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला को भी मंजूरी दी।

आईसीसी ने बयान में कहा, ''हमारी योजना 2025 और 2028 के बीच दो वार्षिक टी20 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की शुरुआत करना है जिससे कि आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाई जा सके।'' आईसीसी बोर्ड ने 2025 से लेकर 2029 तक महिलाओं के भविष्य के दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) को भी मंजूरी दी जिसे जल्द ही प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार, ''आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) ने इसे भी मंजूरी दे दी है कि महिलाओं की रैंकिंग का वार्षिक अपडेट अब प्रत्येक वर्ष एक अक्टूबर से एक मई तक चलेगा और टीमों को अब कम से कम आठ मैच खेलने होंगे जो महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी के हटने पर बोले हरमनप्रीत, हमारा लक्ष्य इस बार स्वर्ण पदक जीतना था

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 से हॉकी को हटाये जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना उनकी टीम का लक्ष्य था। भारत की राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो ने हॉकी, बैडमिंटन, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के कार्यक्रम हटा दिया है तथा केवल 10 खेलों को इसमें जगह दी गई है।

लागत को सीमित करने के लिए टेबल टेनिस, स्क्वाश और ट्रायथलॉन को भी हटा दिया गया है। जर्मनी के खिलाफ यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर 23 और 24 अक्टूबर को होने वाले टेस्ट मैचों से पहले प्रेस कांफ्रेंस में हरमनप्रीत से जब इस फैसले पर प्रतिक्रिया के लिए पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे अभी पता चला है कि यह फैसला लिया गया है। यह अच्छा टूर्नामेंट था। हमारा लक्ष्य इस बार उसमें स्वर्ण पदक जीतना था।' भारतीय टीम 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से 0-7 से हार गई थी जबकि 2018 में गोल्ड कोस्ट खेलों में इंग्लैंड से 1-2 से हारकर चौथे स्थान पर रही थी। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में कभी स्वर्ण पदक नहीं जीता जबकि महिला टीम ने 2002 में मैनचेस्टर खेलों में पीला तमगा अपने नाम किया था। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता टीम के कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'लेकिन जो हमारे हाथ में नहीं है, उसके बारे में सोचने से कोई फायदा नहीं है। अभी हमें जर्मनी जैसी मजबूत टीम से खेलना है और फोकस उसी पर है।' वहीं कोच क्रेग फुल्टोन ने भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन अभी इसके प्रभाव के बारे में सोचने का समय नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के इस कोच ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह आधिकारिक है या नहीं। अगर है तो दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन इसके बारे में सोचने का अभी समय नहीं है क्योंकि हमारा ध्यान अभी कल और परसों के मैच पर है।'

कोहली या स्मिथ नहीं, केवल ये खिलाड़ी कर सकता है जो रूट की बराबरी : एलेस्टेयर कुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक का मानना है कि 'समय के सटीक क्षण' पर फॉर्म में चल रहे जो रूट की बराबरी केवल न्यूजीलैंड के केन विलियमसन कर सकते हैं। रूट और विलियमसन 'फैब फोर' के प्रसिद्ध चेहरों में से हैं जिसमें विराट कोहली और स्टीवन स्मिथ जैसे दिग्गज भी शामिल हैं। हालांकि समय के साथ, रूट ने धीरे-धीरे अपने शीर्ष प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर टेस्ट क्रिकेट में अपना दबदबा कायम किया है।

अब उन्हें ऐसा खिलाड़ी माना जाता है जो इतिहास की किताबों को फिर से लिख सकता है। 33 वर्षीय खिलाड़ी के वर्तमान रन 12,716 रन हैं, जो भारत के 'क्रिकेट के भगवान' सचिन तेंदुलकर को पछाड़कर टेस्ट इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाज बनने से केवल 3,206 रन दूर हैं। हाल के वर्षों में रूट ने हर बार बल्ले से क्रीज पर कदम रखते ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, चाहे उनके सामने कोई भी प्रतिद्वंद्वी क्यों न हो। जैसे-जैसे वह क्रिकेट की दुनिया को अपने अथाह कौशल से मंत्रमुग्ध करते जा रहे हैं, कुक को अपने दोस्त के करीब केवल एक ही खिलाड़ी नजर आता है।

कुक ने आईसीसी द्वारा आयोजित एक राउंड-टेबल इंटरव्यू के दौरान कहा, 'मुझे लगता है कि इस समय, मुझे जो रूट जितना अच्छा खेलते हुए किसी और को देखना मुश्किल लगता है। पिछले एक साल में तथाकथित 'बिग फोर' के दौरान मुझे लगता है कि विलियमसन और वह शायद इस समय सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे सभी शानदार, वास्तव में शानदार खिलाड़ी, अपने खेलने के तरीकों और तरीकों में सभी बहुत अलग हैं। लेकिन एक चीज जो उन्हें एकजुट करती है, वह है सुधार करते रहने और रन बनाते रहने की भूख और इच्छा।'

पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वार्नर भारत के खिलाफ खेलने के लिए संन्यास से वापसी करने को तैयार

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा कि अगर उनकी टीम को जरूरत होगी तो वह संन्यास से वापस आकर आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ खेलने को तैयार हैं। इस 37 साल के पूर्व खिलाड़ी ने इस साल पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद संन्यास की घोषणा की थी। वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ अपने आखिरी टेस्ट में 34 और 57 रन की पारी खेली थी। इस वामहस्त बल्लेबाज ने 'कोड स्पोर्ट्स' से कहा, ''मैं हमेशा उपलब्ध रहता हूं, बस फोन उठाना बाकी है। मैं इस बारे में हमेशा गंभीर रहता हूं। ईमानदारी से कहूं तो फरवरी में मेरे आखिरी टेस्ट मैच के बाद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने सिर्फ चार टेस्ट मैच खेले है, इसलिए मेरी तैयारी लगभग वैसी ही है।'' टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की संभावना को मजबूत बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों के लिए पांच मैचों की यह श्रृंखला काफी अहम है। इसका आगाज 22 नवंबर से पर्थ में होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड में भाग लेकर कड़ी तैयारी कर रहे हैं। वार्नर को अपनी फिटनेस हासिल करने और चयनकर्ताओं को फिर से प्रभावित करने के लिए इस घरेलू प्रतियोगिता में कुछ मैच खेलने होंगे।

उन्होंने कहा, '' ईमानदारी से कहूं तो अगर उन्हें इस श्रृंखला के लिए वाकई मेरी जरूरत है, तो मुझे अगला शील्ड मैच खेलने को लेकर बहुत खुशी होगी। उन्होंने कहा, ''मैंने सही कारणों से संन्यास लिया था। उन्हें अगर मेरी जरूरत है तो मैं तैयार हूं। मैं इससे पीछे नहीं हटने वाला हूं।'' ऑस्ट्रेलिया के सामने फिलहाल सलामी बल्लेबाजी की चुनौती है। हरफनमौला कैमरून ग्रीन के चोट के कारण श्रृंखला से बाहर होने के बाद अनुभवी स्टीव स्मिथ फिर से मध्यक्रम में खेलेंगे। वार्नर के संन्यास के बाद स्मिथ ने नियमित सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ इस भूमिका को निभाई थी लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

द हंड्रेड की टीमों के लिए पांच आईपीएल फ्रेंचाइजी ने लगाई बोली

नई दिल्ली - मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाइंट्स उन आईपीएल फ्रेंचाइजियों में शामिल हैं, जिन्होंने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की प्रतियोगिता द हंड्रेड में टीमें खरीदने के लिए बोलियां जमा की हैं। रिपोर्ट के अनुसार जीएमआर ग्रुप और मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के सह-मालिक अवराम ग्लेजर ने भी टीम खरीदने के लिए बोलियां जमा की है। बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 18 अक्टूबर थी। ईसीबी ने आठ फ्रेंचाइजी में से प्रत्येक में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए बोलियां आमंत्रित की थी। इस तरह से ईसीबी ने बड़ा हिस्सा अपने पास सुरक्षित रखा है जिससे उसका प्रतियोगिता पर नियंत्रण बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि कई आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने शुरू में टीम खरीदने के लिए दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन सभी ने बोलियां नहीं लगाईं। इसमें कहा गया है, 'पंजाब किंग्स ने बाहर होने का विकल्प चुना, जबकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि पांच बार के आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स के मालिक सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स ने बोलियां जमा की हैं या नहीं।'

दूसरे टेस्ट पर ध्यान देना बहुत जरुरी, भारत वापसी का रखता है दम : लाथम

बेंगलुरू। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने अपनी टीम को याद दिलाया कि पहला मैच जीतने के बाद खुशी में दूसरे टेस्ट पर अपना ध्यान ना भटकने दें, क्योंकि भारत जवाबी हमला करने तैयार है। न्यूजीलैंड टीम ने रविवार को यहां पहले टेस्ट में भारत को 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है, लेकिन अब उन्हें 24 अक्टूबर से पुणे में होने वाले दूसरे मैच की तैयारी शुरु करनी होगी। न्यूजीलैंड की यह भारत में सिर्फ तीसरी टेस्ट जीत थी। टीम को इस प्रारूप की तीसरी जीत के लिए करीब 36 साल का इंतजार करना पड़ा है। आखिरी बार न्यूजीलैंड ने भारत को 1988 में जॉन राइट की कप्तानी में वानखेड़े स्टेडियम पर 136 रन से हराया था। न्यूजीलैंड के कप्तान लाथम ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि 36 साल बाद हमने यहां जीत हासिल की है। यह हमारी टीम के लिए गर्व की बात है और हम इसका जश्न मनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम निश्चित रूप से जानते हैं कि यह भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक चुनौती होगी, जिनके पास जाहिर तौर पर वापसी करने का दम है।

रणजी ट्राफी : चेतेश्वर पुजारा ने तोड़ा ब्रायन लारा का रिकॉर्ड

- अब निशाने पर आए राहुल द्रविड़, सचिन-गावस्कर के...

नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेलते हुए सौराष्ट्र के लिए शानदार प्रदर्शन किया और अपना 25वां रणजी ट्रॉफी शतक जड़ा। पुजारा ने 197 गेंदों में यह शतक पूरा किया, जो फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका 66वां शतक है। इस उपलब्धि के साथ पुजारा ने महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को पीछे छोड़ दिया, जिनके फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कुल 65 शतक हैं। अब पुजारा के निशाने पर भारतीय दिग्गज राहुल द्रविड़ हैं, जिनके नाम 68 शतक दर्ज हैं। पुजारा यदि दो और शतक लगाते हैं, तो वे द्रविड़ की बराबरी कर लेंगे, और तीन शतक लगाकर वे उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में शतक बनाने के मामले में पुजारा अब सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, और राहुल द्रविड़ के बाद चौथे स्थान पर हैं। पुजारा ने दिसंबर 2005 में सौराष्ट्र के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था और तब से उन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनका घरेलू करियर बेहद प्रभावशाली रहा है, जिसमें उन्होंने कई मौकों पर सौराष्ट्र के लिए बड़े रन बनाए हैं। रणजी ट्रॉफी 2017-18 में, पुजारा ने सिर्फ़ चार मैचों में 437 रन बनाए थे, और 2019-20 सीजन में उन्होंने अपना 50वां फर्स्ट क्लास शतक लगाया। हालांकि, फिलहाल पुजारा भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, और उनकी वापसी अब मुश्किल मानी जा रही है।

हमें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीम नहीं भेजनी चाहिए: गोपीचंद, विमल ने भी लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद और विमल कुमार ने मंगलवार को 2026 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों से बैडमिंटन जैसे खेलों को बाहर करने के फैसले की आलोचना की और देश से इन खेलों में टीम नहीं भेजने का आग्रह किया क्योंकि इसका उद्देश्य भारत की प्रगति को रोकना है।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की पदक की संभावनाओं को उस समय झटका लगा जब ग्लासगो ने बैडमिंटन, हॉकी, कुश्ती, क्रिकेट और निशानेबाजी जैसे प्रमुख खेलों को 2026 में होने वाले खेलों के कार्यक्रम हटा दिया है तथा केवल 10 खेलों को इसमें जगह दी गई है जो पिछले खेलों की तुलना में नौ कम हैं। लागत को सीमित करने के लिए टेबल टेनिस, तीरंदाजी, स्क्वाश और ट्रायथलन को भी हटा दिया गया है। इन खेलों को हटाने से भारतीय खेल जगत स्तब्ध है और गोपीचंद तथा विमल ने सबसे कड़ी प्रतिक्रिया दी।

पूर्व भारतीय कोच विमल ने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों की कोई जरूरत नहीं है। मेरे नजरिये से उन्हें इन्हें खत्म कर देना चाहिए। राष्ट्रमंडल खेलों की जगह ओलंपिक और एशियाई खेलों का आयोजन करना बेहतर है। यह दयनीय है, मैं बेहद निराश हूं। राष्ट्रमंडल खेल अपनी चमक, संदर्भ खो रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीम नहीं भेजनी चाहिए। इसकी जरूरत नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों की जगह यह महत्वपूर्ण है कि ओलंपिक और एशियाई खेलों के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के तरीकों पर गौर किया जाए। राष्ट्रमंडल खेलों की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम में अच्छे शारीरिक खेल होने चाहिए, अगर आप इन सभी को हटा दोगे तो फिर क्या जरूरत है।' गोपीचंद ने खेल के आयोजकों के इस कदम को भयावह करार दिया। इस पूर्व ऑल इंग्लैंड चैंपियन ने कहा, ''मैं 2026 के राष्ट्रमंडल खेलों से बैडमिंटन को बाहर करने के निर्णय से बेहद स्तब्ध और निराश हूं। ऐसा लगता है कि यह फैसला भारत जैसे देशों की प्रगति को रोकने के उद्देश्य से किया गया है।'

गोपीचंद ने कहा कि बैडमिंटन ने हमें बहुत गौरव और सफलता दिलाई है और यह हमारे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा, 'यह निर्णय ना केवल भारतीय बैडमिंटन के लिए बल्कि दुनिया भर में इस खेल के लिए एक महत्वपूर्ण चूक है जिसमें स्पष्ट तौर पर तर्क का अभाव है और इसके विकास को खतरे में डाल रहा है।'

गोपीचंद ने कहा कि भारत को इस निर्णय पर कड़ी आपत्ति जतानी चाहिए और उचित अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी आवाज उठाएं और इस मुद्दे को उचित अधिकारियों के समक्ष उठाएं जिससे कि यह सुनिश्चित हो सके कि बैडमिंटन भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करना जारी रखे।'

राष्ट्रमंडल खेलों के 23वें सत्र का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक होगा जिसके साथ मेजबान के रूप में ग्लासगो की 12 साल बाद वापसी होगी। भारत ने 2022 बर्मिंघम खेलों में 16 खेलों के लिए 210 खिलाड़ियों का दल भेजा था। देश ने 61 पदक जीते और इसमें से 30 पदक उन खेलों में आए जो 2026 ग्लासगो खेलों का हिस्सा नहीं होंगे।

भारत के दिग्गज स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक में इस खेल को शामिल किए जाने के बाद ग्लासगो खेलों के आयोजकों के कदम को खेल को पीछे ले जाने वाला बताया। उन्होंने कहा, 'बेशक यह काफी निराशाजनक है कि स्क्वाश राष्ट्रमंडल खेलों में नहीं होगा, विशेषकर पिछले साल 2028 के लिए ओलंपिक में जगह बनाने के बाद।'

चोटिल नाओमी ओसाका हांगकांग ओपन से हटीं

हांगकांग। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने चोट के कारण हांगकांग ओपन टेनिस चैंपियनशिप से हटने की घोषणा की है हांगकांग, चीन टेनिस संघ (एचकेसीटीए) ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि पूर्व विश्व नंबर वन ओसाका टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगी। उन्होंने कहा कि ओसाका ने पुष्टि की है कि वह अभी भी टूर्नामेंट में भाग लेंगी और इस आयोजन के दौरान अपने हांगकांग टेनिस प्रशंसकों से मिलने सहित कई गतिविधियों में भाग लेंगी। बयान में नाओमी के हवाले से कहा गया कि मुझे वास्तव में खेद है कि मुझे प्रूडेंशियल हांगकांग टेनिस ओपन और इस टेनिस सत्र के बाकी हिस्सों में प्रतिस्पर्धा करने से हटना पड़ा है। उन्होंने कहा मुझे टूर्नामेंट में जाना बहुत पसंद है और खेलने में असमर्थ होने की निराश होने के बावजूद मैं अपने सभी अद्भुत हांगकांग प्रशंसकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मैं अभी भी इस कार्यक्रम में भाग लूँगी। मैं आप सभी से मिलने के लिए बहुत उत्सुक हूं।

काइल वेरेन का शतक, तीसरे ही दिन बांग्लादेश पर हार का खतरा

मीरपुर (एजेंसी)। काइल वेरेन (114) और वियान मुल्डर (54) रनों की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन मंगलवार को पहली पारी में 308 के स्कोर के साथ 202 रन की बढ़त साथ बंगलादेश के दूसरी पारी में 101 रन पर 3 विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ बना ली हैं।

दक्षिण अफ्रीका 308 के स्कोर पर रोकने के बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तीसरे ही ओवर में कगिसो रबड़ा ने शादमान इस्लाम (1) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मोमिनुल हक (0) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान नजमुल शान्तो ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 19वें ओवर में केशव महाराज ने शांन्तो को (23) रन पर पगबाधा आउट कर दिया।

दिन का खेल खराब रोशनी के कारण रोके जाने पर बंगलादेश ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 101 रन बना लिए है। हालांकि वह अभी पहली पारी के आधार 101 रन पीछे है। महमुदुल हसन जॉय (नाबाद 38) और मुशफिकुर रहीम (नाबाद 31) क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका की ओर कगिसो रबाडा ने 2 विकेट लिए। केशव महाराज को एक विकेट मिला। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने आज कल के 6 विकेट पर 140 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। 227 के स्कोर पर वियान मुल्डर के रूप में दक्षिण अफ्रीका का 7वां विकेट गिरा। इसी स्कोर पर केशव महाराज भी आउट कर पवेलियन लौट गए। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी की शुरुआत भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं रही।

रबाडा ने एक और बड़ी उपलब्धि किया हासिल

ढाका। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने सोमवार को एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए इतिहास रच दिया। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 300 टेस्ट विकेट पूरे कर 12,000 से कम गेंदों में यह मुकाम हासिल करने वाले सबसे तेज गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। रबाडा ने यह उपलब्धि मीरपुर के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में प्राप्त की। रबाडा ने दिन के पहले सत्र में मुशफिकुर रहीम को आउट कर वकार यूनिस (12,602 गेंद) और डेल स्टेन (12,605 गेंद) को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। रबाडा दक्षिण अफ्रीका के ऐसे छठे गेंदबाज बन गए हैं जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे किए हैं। इस सूची में उनका नाम स्टेन, शॉन पोलक, मखाया एंटिनी, एलन डोनाल्ड और मोर्ने मोर्कल के साथ शामिल हो गया है। भारत के रविचंद्रन अश्विन ने सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जिन्होंने 54 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी, लेकिन रबाडा ने गेंदों के लिहाज से यह रिकॉर्ड अपने नाम किया। उनके पास अब तक का 39.3 का स्ट्राइक रेट है, जो 300 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है। इस शानदार उपलब्धि के बाद रबाडा ने मैच में 3-26 के आंकड़े के साथ जबरदस्त वापसी की। उनके साथ वियान मुल्डर और केशव महाराज ने भी तीन-तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को पहली पारी में केवल 106 रन पर समेट दिया। इससे पहले, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन डेन पीट और मुल्डर ने शुरुआती झटके देकर बांग्लादेश के फैसले को गलत साबित कर दिया। टीम शुरुआती झटकों से उबरने में नाकाम रही और महज 41 ओवर में ही पूरी टीम ऑल आउट हो गई।

यह उसकी निजी राय है, मैं उससे सहमत नहीं हूं : साक्षी के दावों पर बोली विनेश फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार पहलवान और कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने मंगलवार को साक्षी मलिक के उन दावों पर असहमति जताई कि एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट लेने के उनके और बजरंग पूनिया के फैसले से बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनका प्रदर्शन कमजोर पड़ा।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी ने अपनी किताब 'विटनेस' में दावा किया है कि विनेश और बजरंग के फैसले से उनका आंदोलन 'स्वार्थपूर्ण' लगने लगा। विनेश ने कहा, 'यह उसकी निजी राय है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। जब तक मैं कमजोर नहीं हूं, लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती। यह मेरा मानना है। जब तक साक्षी, विनेश और बजरंग जिंदा है, यह लड़ाई कमजोर नहीं हो सकती।' उन्होंने कहा, 'जिन्हें जीतना है, उन्हें कभी कमजोर नहीं होना चाहिए। उन्हें हमेशा मैदान पर डटकर लड़ना चाहिए। इसके लिए कठोर होना और चुनौतियों का सामना करना जरूरी है। हम लड़ाई के लिए तैयार हैं।'

साक्षी ने किताब में बताया कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे।

भगवान महावीर मॉडल यूनाइटेड नेशन्स 4.0 प्रोग्राम का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

भगवान महावीर विश्वविद्यालय में मॉडल यूनाइटेड नेशन्स 4.0 प्रोग्राम आयोजन किया गया. यह प्रोग्राम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के अंतर्गत त्रष्ट के अंदर युवा मंथन के कार्यक्रम है इस प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र में गुजरात के शिक्षा मंत्री प्रफुल पनशेरिया और पूर्व सांसद दर्शना जरदोश एवं सूरत के मेयर दक्षेश मवानी और भगवान महावीर विश्वविद्यालय के प्रोवोस्ट डॉ. मनोज कुमार एवं प्रभारी निदेशक BMC-CMS के डॉ. चेता देसाई सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। BMU प्रभारी निदेशक BM-CCMS डॉ. चेता देसाई ने कहा की इस प्रोग्राम में 6 कमिटी का गठन किया गया है जिसमें 3 N कमिटी 2 भारतीय कमिटी और एक फिक्शनल कमिटी, IPL ऑक्सनल हाउस, छोप 29, N विमेन, लोकसभा और इंटरनेशनल प्रेस शामिल है जो इस बार सूरत का यूथ है उसको कैसे शामिल कर सकते है सूरत में 100 से अधिक युवा नेता प्रोग्राम में भाग लिए है सूरत में 40 स्कूल और भगवान महावीर यूनिवर्सिटी के विद्यार्थी भी शामिल रहें।

सुशांत दिवगिकर उर्फ रानी को-हे-नूर ने इतिहास रचा, भारत में नई गरबा क्वीन बनीं

सुरत भुमि, सूरत।

जहां देश ने अपने सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व के साथ नवरात्रि के मौसम का आनंद लिया, वहीं हीरों के शहर सूरत में तूफान के बावजूद इतिहास रचा जा रहा था। भारत में ट्रांस लोगों के इतिहास में एक उल्लेखनीय पृष्ठ लिखते हुए, सुशांत दिवगिकर, उर्फ रानी को-हे-नूर, ने सूरत, गुजरात में सबसे बड़े नवरात्रि समारोहों में नेतृत्व करते हुए पहले ट्रांस कलाकार बनकर समावेशन के लिए एक और जीत हासिल की।

अपनी चार-सप्तक गायन श्रृंखला के साथ, रानी 10 दिनों में 3 लाख से अधिक लोगों को मंत्रमुग्ध करके एक नवरात्रि कार्यक्रम को लीड करने वाली पहली ट्रांस कलाकार बन गईं। स्वस्ति मेहूल, ध्वनि पारिख, हरिओम गढ़वी और उस्मान बीर जैसे प्रसिद्ध गायकों के साथ सुवर्ण नवरात्रि उत्सव का नेतृत्व करते हुए, रानी ने अपनी दोहरी आवाज़ से भीड़ का मनोरंजन किया और भारतीय इतिहास को फिर से लिखते हुए ट्रांस समुदाय के लिए एक प्रमुख मार्ग प्रशस्त किया। सभी गरबा प्रेमियों का मनोरंजन करते हुए, रानी ने 'हर हर शंबू, 'विट्टल विट्टल' जैसे लोकप्रिय गाने और कुछ गुजराती गाने गाए और नृत्य किया।

भारत का ट्रांस समुदाय समाज में समान स्थान पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, ऐसे में सुशांत दिवगीकर उर्फ रानी को-हे-नूर उनके लिए चमकने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए नए क्षितिज खोल रही हैं। एक कलाकार (अभिनेता और गायिका) के रूप में मनोरंजन

उद्योग में एक शानदार यात्रा को चिह्नित करते हुए, रानी वेब शो और फिल्मों के लिए स्वतंत्र ट्रैक और गायन दे रही हैं, साथ ही ब्रांड और भारत सरकार के लिए प्रमुख कार्यक्रम भी पेश कर रही हैं। 'परी हूं मैं', 'पहचान', 'सईयां इल्लीगल', 'फरेबी जिंदगी' जैसे गानों को अपनी आवाज दे कर, अब नवरात्रि में रानी के डेब्यू ने ट्रांस कलाकारों के लिए एक नया रास्ता खोल दिया है।

वनवासी खिलाड़ियों के लिए भारत कबड्डी लीग का आज होगा लॉचिंग

सुरत भुमि, सूरत। भारत के प्रत्येक गांव में कबड्डी का पाला तथा कुश्ती का अखाड़ा बने और युवक - युवतियां देश को अपना योगदान दे सकें। इस हेतु से "खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत" की कल्पना के आधार पर ग्रामीण व वनवासी भारत की युवा शक्ति को व्यसन मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कदम में अभ्युदय यूथ क्लब द्वारा भारत कबड्डी लीग का आयोजन देश भर में किया जाएगा। मंगलवार को पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए अभ्युदय यूथ क्लब के माधवेन्द्र ने कहा कि गांव के युवाओं को मुख्य धारा में शामिल कर अपनी क्षमताओं से अनभिज्ञ ग्रामवासियों में आत्मविश्वास, सामाजिक समरसता व सजगता की वृद्धि करने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। भारत कबड्डी लीग में पंचायत स्तर पर 18 वर्ष की आयु तक के युवकों को इस लीग के माध्यम से कबड्डी खेलने का मौका मिलेगा। सूरत में बुधवार को डूमस के अवध उटोपिया में भारत कबड्डी लीग की लॉन्चिंग की जाएगी। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मनोज तिवारी, धर्मवीर सिंह, इंटरनेशनल कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी और दीपक हुडा शामिल होंगे। प्रेसवार्ता में राष्ट्रीय चयन शिविर के बारे जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक राज्य से चयनित खिलाड़ियों का चयन शिविर लखनउ में आयोजित होगा। जिसके माध्यम से देश के प्रमुख हिस्सोंसे 12 टीमों का निर्माण किया जाएगा। इन चयनित टीमों के मध्य राष्ट्रीय स्तर पर भारत कबड्डी लीग का मुख्य टूर्नामेन्ट का आयोजन फरवरी 2025 में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में होगा।

धनतेरस और दीवाली का यह उत्सव ओरा फाईन ज्वेलरी के सुंदर आभूषणों के साथ मनाईये

सुरत।

धनतेरस और दीवाली पर देश का हर घर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और परंपराओं के साथ जगमगाने लगता है। रोशनी के इस त्योहार का गहरा सांस्कृतिक महत्व है, जब लोग आभूषण खरीदकर घर में सौभाग्य और समृद्धि का स्वागत करते हुए अपनी विरासत का जश्न मनाते हैं। इसलिए धनतेरस के शुभ अवसर पर ओरा फाईन ज्वेलरी द्वारा त्योहारों के लिए खास रूप से अपने सुंदर आभूषणों का विशेष संग्रह पेश किया गया है।

ओरा फाईन ज्वेलरी के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री दीपू मेहता ने कहा, ''ओरा में हम भारत में आभूषणों के सांस्कृतिक महत्व को समझते हैं। हमारा यह नया संग्रह पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक डिज़ाईन का मिश्रण है। ये हार न केवल एक अद्वितीय कहानी कहते हैं, बल्कि सौंदर्य और व्यक्तिगत शैली का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे त्योहारों की खुशी और उत्साह जीवंत हो उठते हैं।''

ये सुंदर आभूषण न केवल परंपराओं को बनाए रखने की प्रतिबद्धता प्रदशित करते हैं, बल्कि आधुनिक डिज़ाईन के साथ आपका आकर्षण भी बढ़ाते हैं। इन्हें एक प्रभावशाली छवि का निर्माण करने के लिए तैयार किया गया है, जो सेक्किन साड़ी, रेशमी साड़ी, पैठणी साड़ी या त्योहारों के अन्य परिधानों के साथ पहने जा सकते हैं। ये आभूषण त्योहारों का आकर्षण बढ़ाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर देंगे।

पारंपरिक और आधुनिक शैली में बने इन नए आभूषणों के साथ ओरा का उद्देश्य अपने बहुमूल्य ग्राहकों की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए पुराने रीति-रिवाजों को बढ़ावा देना है। धनतेरस और दीवाली पर आभूषण खरीदने की परंपरा के अनुरूप ओरा ने युवाओं के लिए विशेष योजनाएं पेश की हैं, जो इन रीति-रिवाजों में हिस्सा लेना चाहते हैं। इस साल ग्राहकों को सुंदर आभूषणों का संग्रह कस्टमाईज़्ड ईएमआई योजनाओं और एक्सक्लुसिव डिस्काउंट के साथ दिया जा रहा है।

ूवसर पर ओरा फाईन ज्वेलरी द्वारा ग्राहकों को निम्नलिखित विशेष ऑफर प्रदान किए जा रहे हैं:

हीरे के आभूषणों पर 25% तक की छूट

हीरे की चूड़ियों पर 20% की छूट

सोने के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 25% की छूट

0% ब्याज ईएमआई

सोने के पुराने आभूषणों के लिए 0% कटौती

टाटा मोटर्स ने क्लीन ग्रीन फ्यूल एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. को एलएनजी से चलने वाले ट्रकों की आपूर्ति शुरू की

अहमदाबाद। भारत में कमर्शियल (वाणिज्यिक) वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स ने आज से ग्रीन फ्यूल की रिटेलिंग और लॉजिस्टिक्स में एक अग्रणी कंपनी, क्लीन ग्रीन फ्यूल एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. को टाटा प्राइमा 5530.एस एलएनजी ट्रकों की आपूर्ति शुरू कर दी है। टाटा मोटर्स को ऐसे 150 ट्रकों की आपूर्ति का आर्डर मिला था। वाहनों का पहला बैच शहर में आज विशेष रूप से आयोजित एक समारोह के दौरान सौंपा गया। बाकी टाटा प्राइमा 5530.एस एलएनजी ट्रकों की आपूर्ति चरणबद्ध तरीके से होती रहेगी।

टाटा मोटर्स और क्लीन ग्रीन फ्यूल एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. के बीच प्राइमा 5530.एस एलएनजी के और भी 350 यूनिट्स की आपूर्ति के लिये एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए।

क्लीन ग्रीन फ्यूल एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. के निदेशक श्री मिलन डोंगा ने इस मौके पर बात करते हुए कहा, ''हम दो ही साल पुराना स्टार्ट-अप हैं, लेकिन हमने लॉजिस्टिक्स उद्योग में बड़े-बड़े काम किये हैं। हम ग्रीन फ्यूल सॉल्यूशंस से परिचालन में क्रांति के लिये प्रतिबद्ध हैं। टाटा मोटर्स के एडवांस्ड एलएनजी ट्रैक्टरों का हमारे फ्लीट में जुड़ना हमारे परिचालन को पर्यावरण के अधिक अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टाटा मोटर्स यातायात को अधिक शुद्ध एवं संवहनीय बनाने में सभी का नेतृत्व कर रही है। वह परिचालन की न्यूनतम कुल लागत तथा बेहतरीन बिक्री-पश्चात सेवा की पेशकश भी कर रही है। नये जमाने के यह वाहन टाटा मोटर्स के कनेक्टेड व्हीकल प्लेटफॉर्म 'फ्लीट एज' से लैस हैं। ऐसे में हमको रियल-टाइम के डाटा और सही फैसले करने में स्मार्ट एनालीटिक्स का फायदा भी होगा।''

साझेदारी पर बोलते हुए, टाटा मोटर्स में ट्रक्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड श्री राजेश कौल ने कहा, ''हम क्लीन ग्रीन फ्यूल एण्ड लॉजिस्टिक्स प्रा. लि. को टाटा प्राइमा 5530.एस एलएनजी ट्रकों का पहला बैच सौंपते हुए बहुत खुश हैं। उनका मिशन लॉजिस्टिक्स को पर्यावरण के अनुकूल और स्मार्ट बनाना है और हम भी इस लक्ष्य को लेकर उतने ही प्रतिबद्ध हैं। हमारे ट्रकों का परफॉर्मेंस शानदार है, क्षमता अधिक है और उत्सर्जन कम है। यह उनकी कामकाज की जरूरतों और संवहनीयता के लक्ष्यों के साथ बखूबी मेल खाता है।''

टाटा प्राइमा 5530.एस एलएनजी ईंधन बचाने वाले कुमिन्स 6.7एल गैस इंजन से पावर्ड है, जो बेजोड़ परफॉर्मेंस के लिये 280एचपी पावर और 1100एनएम टॉर्क देता है। इस वाहन को मजबूती से इंजीनियर किया गया है और यह सतही परिवहन तथा लंबे ठहराव वाले वाणिज्यिक परिचालन के लिये बिलकुल उपयुक्त है। प्रीमियम प्राइमा केबिन ड्राइवर को ज्यादा आराम देता है, जबकि गियर शिफ्ट एडवाइजर जैसे साधन ईंधन की खपत को सही रखते हैं, क्षमता बढ़ाते हैं और परिचालन की लागत को कम करते हैं।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने बैंकिंग नेटवर्क का विस्तार किया

सूरत। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) ने आज अडाजन-पाल, सूरत, गुजरात में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की।

इस लॉन्च के साथ बैंक राज्य में अपनी उपस्थिति को मजबूत करना जारी रखेगा, जिससे स्थानीय समुदायों के लिए बैंकिंग सेवाओं तक अधिक पहुँच सुनिश्चित होगी।

इस लॉन्च के अवसर पर टिप्पणी करते हुए उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, "हमें सूरत में अपने बैंकिंग नेटवर्क का विस्तार करके खुशी हो रही है, जो अपने गतिशील विकास और जीवंत समुदाय के लिए जाना जाता है। यह राज्य में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन से न केवल स्थानीय समुदायों को बैंकिंग सेवाओं तक पहुँचने में सहायता मिलेगी, बल्कि यह स्थानीय समुदायों के भीतर आर्थिक विकास, वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।"

बैंक के द्वारा अपने ग्राहकों को तमाम तरह के वित्तीय उत्पाद और सेवाएं प्रदान कराई जाती हैं जिनमें सेविंग और करेंट अकाउंट्स, फिक्स्ड डिपाजिट और रेकरिंग डिपाजिट जैसी सेवाएं शामिल हैं। ग्राहकों की आर्थिक महत्वकांक्षाओं को पूरा करने के लिए, बैंक कई तरह के लोन उत्पाद- जैसे हाउसिंग लोन, बिजनेस लोन और संपत्ति के एवज में लोन उपलब्ध कराती है।

बैंक के पास बहुत ही अच्छा बैंकिंग आउटलेट इंफ्रास्ट्रक्चर है, डिजिटल बैंकिंग की सुविधाएं और एटीएम का नेटवर्क है जिससे बैंक अपने ग्राहकों को हर तरह की सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है। इसके अलावा बैंक दूसरे तरह की सुविधाएं जैसे इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूनीफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और काल सेंटर की सेवाएं भी उपलब्ध कराती है।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया ने मनाया ग्लोबल हैंडवाशिंग डे 2024, देशभर में 3 करोड़ बच्चों को किया गया शिक्षित

नई दिल्ली। रेकिट के फ्लैगशिप अभियान, डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया (बीएसआई) ने ग्लोबल हैंडवाशिंग डे 2024 का जश्न मनाया और भारत में 3 करोड़ बच्चों को स्वस्थ भविष्य के लिए हाथ धोने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। 'क्लीन हैंड्स फॉर ऑल: सफाई के माध्यम से स्वास्थ्य समानता को बढ़ावा देना' विषय पर आधारित, इस कार्यक्रम ने डेटॉल बीएसआई की उस प्रतिबद्धता को उजागर किया, जो सभी पृष्ठभूमि के बच्चों को आवश्यक स्वच्छता जानकारी तक पहुंच सुनिश्चित करता है, ताकि कोई भी पीछे न छूटे।

ग्लोबल हैंडवाशिंग डे 2024 के मौके पर, डेटॉल स्कूल हाईजीन एजुकेशन प्रोग्राम के तहत बीएसआई से 29 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों में 100 से ज्यादा अभिभावकों की मदद से 3 करोड़ बच्चों को जोड़ा गया।

इस अभियान ने भारत भर में सर्वोदय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, आर्मी स्कूल और केंद्रीय विद्यालय सहित सार्वजनिक, निजी, सरकारी सहायता प्राप्त और प्राइवेट स्कूलों की सहभागिता के माध्यम से हाथ धाने की सही तकनीक के बारे में बताया गया।

पहल के निरंतर नवाचार के एक हिस्से के रूप में, डेटॉल बीएसआई ने डेटॉल हाईजीन चैटबॉट, हाईजिया फॉर गुड हाईजीन को लॉन्च किया, जो स्वास्थ्य, स्वच्छता और सफाई की ग्रीस देवी हाईजिया से प्रेरित है। एआई संचालित, व्हाट्सऐप-सक्षम यह चैटबॉट 7 भाषाओं- हिन्दी, अंग्रेजी, तमिल, कन्नड़, ओडिया, गुजराती और तेलुगु- में जरूरी स्वच्छता जानकारी की पेशकश करता है, इसे सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की योजना है। चैटबॉट खुद सीखने, सेल्फ हेल्प टूल्स और इंटरेक्टिव प्लेटफॉर्म की बढ़ती जरूरत के महत्व को बताता है, जो बेहतर जुड़ाव और जागरूकता को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर बोलते हुए, रवि भटनागर, डायरेक्टर, एक्सटर्नल अफेयर्स और पार्टनशिप, रेकिट साउथ एशिया ने कहा, "रेकिट में, हम स्वच्छता शिक्षा की बाधाओं को तोड़ने और हर बच्चे के लिए एक स्वस्थ भविष्य तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी दीर्घकालिक स्वच्छता समानता के प्रति प्रतिबद्धता भारत सरकार की ओर से पिछले 10 साल से चल रहे स्वच्छ भारत अभियान के अनुरूप है, जो हर बच्चे को- चाहे वह कहीं भी हों- हाथ धोने की जीवन रक्षक आदत सीखने को सुनिश्चित करती है।"

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने ग्लैंजा के 'फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन' की पेशकश की घोषणा की

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने त्यौहारी उत्साह को ध्यान में रखते हुए, टोयोटा ग्लैंजा के च्फेस्टिवल लिमिटेड एडिशनज की शुरुआत की घोषणा की। ग्राहक अब डीलर द्वारा फिट किए गए टोयोटा जेनुइन एक्सेसरी (टीजीए) पैकेज का आनंद ले सकते हैं। इसे इस त्यौहारी अवधि के दौरान ग्लैंजा की बेहतर स्टाइल, प्रदर्शन और आराम के साथ उनके ड्राइविंग अनुभव को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

अपनी उन्नत तकनीक, आकर्षक डिजाइन और उच्च ईंधन दक्षता के लिए 2019 से जानी-पहचानी सीमित संस्करण वाली टोयोटा ग्लैंजा 13 विशेष टीजीए पैकेज से युक्त है जो 20,567 रुपये मूल्य के हैं। वाहन की प्रीमियम खासियतें - क्रोम और ब्लैक बॉडी साइड मोल्डिंग, बैक डोर गार्निश क्रोम और ओआरवीएम गार्निश क्रोम अलग से जानी-पहचानी हैं। अन्य खास बातों में अतिरिक्त आराम के लिए 3डी फ्लोरमैट, डोर वाइज़र प्रीमियम और नेक (गर्दन के लिए) कुशन (ब्लैक और सिल्वर रंगों में) शामिल हैं। टोयोटा ग्लैंजा की स्टाइलिश अपील को रियर बम्पर, फेंडर के साथ-साथ रियर रिफ्लेक्टर और वेलकम डोर लैंप पर क्रोम गार्निश के साथ और भी समृद्ध किया गया है, जो इसे एक प्रीमियम टच देता है।

टोयोटा ग्लैंजा के फेस्टिव लिमिटेड एडिशन की शुरुआत पर टिप्पणी करते हुए टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री सबरी मनोहर ने कहा, "हमारा लक्ष्य टोयोटा ग्लैंजा के च्फेस्टिवल लिमिटेड एडिशनज की शुरुआत के साथ इस त्योहारी सीजन के दौरान अपने ग्राहकों के लिए अतिरिक्त उत्साह लाना है। ग्लैंजा को हमेशा से ही इसके डायनैमिक-स्पोर्टी डिजाइन, उन्नत फीचर्स और बेहतरीन प्रदर्शन के मिश्रण के लिए सराहा गया है तथा इस सीमित संस्करण के साथ हम इसके आकर्षण को और बढ़ा रहे हैं।

हम लोगों ने यह सुनिश्चित करने का पूरा ख्याल रखा है कि न सिर्फ ग्लैंजा की दृश्य अपील को बेहतर किया जाये बल्कि समग्र आराम और उपयोगिता में भी वृद्धि करें। इस तरह, प्रीमियम और परिष्कृत ड्राइविंग अनुभव की तलाश करने वाले ग्राहकों के लिए आदर्श साथी बन जाता है। हम उत्पाद से कहीं बढ़कर गुणवत्ता और मूल्य प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे बिक्री के बाद की असाधारण सेवाएँ प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता और मजबूत होगी जिसके लिए टोयोटा जानी जाती है। हमारा मानना है कि यह उत्सव संस्करण हमारे ग्राहकों के साथ मजबूती से जुड़ेगा, जिससे उन्हें अपने पसंदीदा टोयोटा मॉडल के प्रदर्शन और प्रतिष्ठा का आनंद लेते हुए स्टाइल में जश्न मनाने का अवसर मिलेगा।"

सैमसंग इंडिया ने 'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024' के विजेताओं की घोषणा की

नई दिल्ल। सैमसंग इंडिया ने अपने प्रमुख नेशनल एजुकेशन और इनोवेशन कॉम्पीटिशन ''सॉल्व फॉर टुमॉरो'' 2024 के तीसरे संस्करण की विजेता टीमों, इको टेक इनोवेटर और मेटल की घोषणा कर दी है। गोलाघाट, असम की इको टेक इनोवेटर टीम को स्कूल ट्रैक में च्कम्युनिटी चैम्पियनज घोषित किया गया है, जबकि उडिपी, कर्नाटक की मेटल टीम ने यूथ ट्रैक में च्एनवायरनमेंट चैम्पियनज का खिताब जीता है। इस प्रतियोगिता ने बड़े भारतीय शहरों से अलग दूरदराज के इलाकों तक प्रोग्राम की पहुंच को दिखाया है।

इको टेक इनोवेटर ने गैर-संदूषित पीने के पानी तक समान पहुंच बनाने के लिए आइडिया विकसित किया, और इसे प्रोटोटाइप को आगे बढ़ाने के लिए 25 लाख रुपये का सीड अनुदान दिया गया है। मेटल ने भूमिगत जल से आर्सेनिक को दूर करने के लिए टेक्नोलॉजी विकसित की, और इसे आईआईटी दिल्ली में इनक्यूबेशन के लिए 50 लाख रुपये का अनुदान मिला है। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया और शोम्बी शार्प, यूनाइटेड नेशंस रेजिडेंट को-ऑर्डिनेटर, भारत ने इन टीमों को सर्टिफिकेट और ट्रॉफियां प्रदान कीं।

साथ ही, 'कम्युनिटी चैम्पियन' स्कूल को सैमसंग की ओर से स्मार्ट डिस्प्ले फ्लिप 75'', फ्रीस्टाइल प्रोजेक्टर और 10 गैलेक्सी टैब स10+ जैसे उत्पाद दिए जाएंगे, जिससे छात्रों की शिक्षा को और बेहतर बनाया जा सके और उनमें समस्या का समाधान करने की सोच विकसित की जा सके। इसी तरह, च्एनवायरनमेंट चैम्पियनज कॉलेज को स्मार्ट डिस्प्ले फ्लिप 75'', फ्रीस्टाइल प्रोजेक्टर और 10 गैलेक्सी बुक 4 प्रो लैपटॉप दिए जाएंगे, जिससे छात्रों में सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके।

सभी10 टीमों को 1 लाख रुपये और सभी सदस्यों को सर्टिफिकेट प्राप्त हुए। स्कूल ट्रैक में शामिल सभी प्रतिभागियों को गैलेक्सी अल्ट्रा वॉच और यूथ ट्रैक के प्रतिभागियों को गैलेक्सी जेड फ्लिप6 दिया गया। 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' कार्यक्रम का उद्देश्य देश के युवाओं को सशक्त बनाना है, ताकि वे असली जीवन की समस्याओं को हल कर सकें और अपने इनोवेटिव आइडियाज के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, "हमें 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के इस साल के संस्करण में सभी प्रतिभागियों द्वारा दिखाए गए नवाचार और रचनात्मकता पर गर्व है। हमारी सीएसआर पहल के माध्यम से हम बच्चों को उनके समुदायों और पर्यावरण की सबसे बड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक साधन, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करना चाहते हैं। इको टेक इनोवेटर और मेटल की उपलब्धियाँ यह साबित करती हैं कि अगली पीढ़ी के युवा टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के जरिए सार्थक बदलाव ला सकते हैं। हमें उम्मीद है कि इन युवा आविष्कारकों के आइडियाज़ हकीकत बनेंगे और लंबे समय तक उनका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)